प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ.. सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-05, अंक - 40 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 06 जुलाई 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

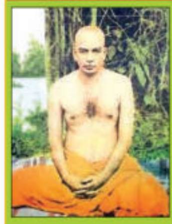

जो आज़ादी पाप की गुलामी कर रही हो, उस आज़ादी को खत्म कर देना चाहिए।

स्वामी रामतीर्थ

डेटा प्रोटेक्शन बिल पर लगी मुहर, कैसे डालेगा आम लोगों की ज़िंदगी पर असर...?

नई दिल्ली।

कैबिनेट ने बुधवार 5 जुलाई को डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल 2022 के मसौदे को मंजूरी दे दी है। ऐसा बताया जा रहा है कि, कैबिनेट की मंजूरी के बाद बिल को संसद के मॉनसून सत्र में पेश किया जाएगा। पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि, सरकार संसद के मॉनसून सत्र में डेटा प्रोटेक्शन बिल और दूरसंचार बिल पारित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया यूजर्स की प्राइवेसी को लेकर चिंता जाहिर की थी। इस दौरान अप्रैल 2023 में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि एक नया डेटा संरक्षण विधेयक तैयार है और जुलाई में संसद के मॉनसून सत्र में पेश किया जाएगा।

डेटा प्रोटेक्शन बिल क्या है...?

मोबाइल और इंटरनेट के चलन के बाद से निजता की सुरक्षा की जरूरत लंबे वक्त से थी। कई देशों में लोगों के डेटा प्रोटेक्शन को लेकर सख्त कानून तैयार किए जा चुके हैं। मगर भारत में ऐसा कोई कानून फिलहाल नहीं है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद संसद में पेश किए जाने के बाद इस बिल को मंजूरी मिल सकती है। कैबिनेट ने जिस बिल को मंजूरी है उस बिल के मुताबिक कानून पालन कराने के लिए डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड ऑफ इंडिया की स्थापना की जाने की सिफारिश की गई है। जहां यूजर्स की शिकायत सुनी और हल की जा सकें।

डेटा प्रोटेक्शन बिल में प्राइवेसी का हनन करने वाली कंपनियों के लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं। बिल में ऐसा प्रवाधान है कि यदि नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो कंपनियों पर 500 करोड़ रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। फिलहास सख्त कानून न होने के वजह से डेटा कलेक्ट करने वाली कंपनियां इसका कई दफा फायदा उठाती हैं। बैंक, क्रेडिट कार्ड और इंश्योरेंश से जुड़ी जानकारियां के आए दिनों लीक हो जाने की खबरें आती रहती हैं। ऐसे में लोग अपनी डेटा की प्राइवेसी को लेकर सहमें हुए हैं। इसलिए इस बिल को कैबिनेट के साथ साथ संसद से भी मंजूरी मिलना लाजमी हो जाता है।

मई 2023 में, एक न्यूज एजेंसी के साथ एक इंटरव्यू के दौरान केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था कि, आने वाला डेटा प्रोटेक्शन भारत में उन प्लेटफार्मों के बीच बड़ा परिवर्तन लाएगा जो लंबे समय से पर्सनल डेटा का शोषण या दुरुपयोग कर रहे हैं। संसद के आने वाले सत्र में पेश किए जाने वाले डेटा प्रोटेक्शन बिल के बारे में बात करते हुए मंत्री ने कहा कि मसौदा कानून पर काफी विचार-विमर्श किया गया है और इसे वास्तव में विश्व स्तरीय कानून के रूप में डिजाइन किया गया है। मंत्री ने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि डेटा प्रोटेक्शन बिल भारत में उन प्लेटफार्मों के बीच बड़ा बदलाव लाएगा, जिन्होंने लंबे समय से पर्सनल डेटा का शोषण और दुरुपयोग किया है।

ये है भाजपा का असली चेहरा और चरित्र- राहुल गांधी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी युवक पर पेशाब करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस ने बेशक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है लेकिन इसने कांग्रेस को भाजपा पर हमला करने का मौका दे दिया है। आरोपी का भाजपा कनेक्शन सामने आने के बाद प्रदेश का राजनीतिक टेंपरेचर बढ़ गया है। अब कांग्रेस के वरिष्ट नेता राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ दल पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि, यह घटना भाजपा का आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत का घिनौना चेहरा और असली चरित्र है।

राहुल ने ट्वीट कर कहा, भाजपा राज में आदिवासी भाइयों और बहनों पर अत्याचार बढ़ते ही जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में एक भाजपा नेता के अमानवीय अपराध से सारी इंसानियत शर्मसार हुई है। यह भाजपा का आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत का घिनौना चेहरा और असली चरित्र है।

इससे पहले राज्य के पूर्व सीएम कमलनाथ ने वीडियो के जरिए भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि, सीधी जिले में एक आदिवासी युवक के ऊपर भाजपा नेता के पेशाब करने का वीडियो देखकर रूह कांप जाती है।

यमुनोत्री हाईवे पर 10 जुलाई तक बन्द रहेगा ट्रैफिक

उत्तरकाशी।

उत्तराखंड चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। खराब मौसम और हाईवे पर मरम्मत की वजह से हाईवे पर 12 घंटे के लिए गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। यमुनोत्री हाईवे पर 10 जुलाई तक रोक लगाई गई है। जबकि, बारिश के बाद भूस्खलन की वजह से बदरीनाथ हाईवे पर ट्रैफिक बाधित हुआ है। गंगोत्री और केदारनाथ हाईवे पर ट्रैफिक सुचारू है।

उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में अब दिल्ली एनसीआर, यूपी, एमपी सहित देश के अन्य राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को सलाह दी जाती है कि मौसम अपडेट लेकर ही यात्रा पर जाएं। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओरछा बैंड के पास 12 घंटे के लिए आवाजाही बंद कर दी गई है। यहां क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कार्य के चलते हाईवे पर मंगलवार से एक सप्ताह तक आवाजाही प्रभावित रहेगी।

हालांकि, हाईवे पर 12 घंटे यातायात सुचारू रहेगा। ओरछा बैंड के समीप 4 से 10 जुलाई तक क्षतिग्रस्त हिस्से पर मरम्मत का काम होना है। एडीएम तीर्थपाल सिंह ने बीते शनिवार इसका आदेश जारी किया। मंगलवार को आदेशानुसार हाईवे पर आवाजाही बंद कर दी गई। राजमार्ग पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आवाजाही बंद रहेगी।

हालांकि शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक मार्ग खुला रहेगा। इसके बाद फिर रात 10 से सुबह 4 बजे तक वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रहेगा और फिर सुबह 10 बजे तक छह घंटे के लिए खुला रहेगा। यानी कि हाईवे पर सुबह और शाम 12 घंटे यातायात खुला रहेगा और 12 घंटे आवाजाही बंद रहेगी।

उत्तरकशी जिले में हो रही बारिश के चलते सांकरी-जखोल मोटर मार्ग पर घुंया घाटी के पास बधित हो गया। इससे गोविंद वन्य जीव बिहार पार्क क्षेत्र के 14 गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया। मार्ग बंद होने कारण मंगलवार को पूरे दिन भर ग्रामीणों की आवाजाही बंद रही और लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ी।

पवार गुट ने एनसीपी और चुनाव चिह्न पर ठोका दावा

नई दिल्ली, एजेंसी।

महाराष्ट्र में एनसीपी का असली हकदार बनने की लड़ाई के बीच अजित पवार की गुट से पार्टी और चुनाव चिह्न पर दावा किया गया है। भारतीय चुनाव आयोग को अजित पवार की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और पार्टी के चुनाव चिह्न पर दावा करने वाली याचिका मिली है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

जयंत पाटिल ने चुनाव आयोग को भेजा पत्र

इसके साथ ही चुनाव आयोग को जयंत पाटिल की ओर से भी एक पत्र मिला है, जिसमें जयंत पाटिल ने कहा है कि नौ विधायकों के खिलाफ अयोग्यता प्रक्रिया शुरू कर दी है। एनसीपी में बगावत के बाद शरद पवार और अजित पवार दोनों अपने-अपने दावे ठोक रहे हैं।

मेरे पास कैश-फॉर-ट्रांसफर मामलों के सबूत मौजूद- कुमारस्वामी

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को दावा किया कि, उनके पास कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ कैश-फॉर-ट्रांसफर मामलों के सबूत हैं। कर्नाटक विधान सौध (विधानसभा) के परिसर में एक पेन ड्राइव दिखाते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि इस पेन ड्राइव में सभी रिकॉर्ड हैं और वह इसे सही समय आने पर जारी करेंगे।

कुमारस्वामी ने कहा कि, ऊर्जा विभाग में दो तबादले हुए हैं। एक ट्रांसफर 10 करोड़ रुपये लेने के बाद किया गया। अधिकारी की प्रतिदिन की आय 50 लाख रुपये है। कैश-फॉर-ट्रांसफर पर एक मंत्री की बातचीत के रिकॉर्ड मौजूद है।

एचडी कुमारस्वामी ने कहामेरे पास एक पेन ड्राइव है, जिसमें सभी दस्तावेज और सबूत हैं। इसमें स्थानांतरण पर बातचीत है और इसे उचित समय पर जारी किया जाएगा।कुमारस्वामी ने उस वेस्ट एंड स्टार होटल का किराया किसने दिया था, जहां से वह अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान संचालन करते थे, इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना करते हुए कहा, क्या मेरे पास 1-2 रुपये खर्च करने की क्षमता नहीं है। मैं राजनीति में आने से पहले शराब की बोतलें लेकर उपद्रवियों के पास नहीं गया। वे मेरे बारे में इतने सामान्य तरीके से बात नहीं कर सकते।

कांग्रेस सरकार को चुनौती

कुमारस्वामी ने कांग्रेस सरकार को उनकी संपत्तियों की जांच कराने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि उन्हें उस समय किए गए तबादलों की भी जांच करने दीजिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि, उन्हें चुनाव में झटका लगा है। डिप्रेशन में वह कुछ भी कर रहे हैं और कुछ भी बोल रहे हैं। उन्हें अपनी राजनीति करने दीजिए और हम अपनी राजनीति आगे बढ़ाएंगे।

मणिपुर की हिंसा से खड़ा हो सकता है खाद्यान्न का संकट

इम्फाल, एजेंसी।

मणिपुर में जारी जातीय हिंसा का कृषि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है, क्योंकि कई किसान सुरक्षा संबंधी खतरों के मद्देनजर खेती नहीं कर पा रहे और यदि हालात में सुधार नहीं हुआ तो पूर्वोत्तर राज्य में खाद्य सामग्री का उत्पादन प्रभावित होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

कृषि विभाग के निदेशक एन गोजेंद्रो ने से कहा कि कम से कम 5 हजार 127 हेक्टेयर कृषि भूमि ऐसी है, जिस पर किसान खेती नहीं कर पा रहे, जिसके कारण 28 जून तक 15 हजार 437.23 टन फसल का नुकसान पहले ही हो चुका है। उन्होंने कहा, अगर किसान इस मानसून में धान की रोपाई नहीं कर पाए तो जुलाई के अंत तक नुकसान बढ़ जाएगा। विभाग ने हालांकि ऐसे खाद और बीज तैयार कर लिए हैं जिनसे पैदावार एवं कटाई में कम समय लगता है और जिनके लिए पानी की भी कम आवश्यकता होती है।

राज्य में करीब दो से तीन लाख किसान 1.95 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर धान की खेती कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि, थौबल जिले में राज्य में प्रति हेक्टेयर सबसे अधिक उपज है। इंफाल के बाहरी इलाकों में कुछ किसान निकटवर्ती पहाड़ियों से उग्रवादियों द्वारा गोली मारे जाने के डर के बावजूद अपने खेतों में जा रहे हैं, लेकिन कई किसान ऐसे हैं, जो अपनी जान को खतरा होने के भय से खेती करने से बच रहे हैं।

बिष्णुपुर जिले के मोइदांगपोकपी क्षेत्र के एक किसान थोकचोम मिलन (40) ने कहा, पहाड़ियों की चोटियों पर उग्रवादियों के बंकरों से किसानों पर गोलीबारी किए जाने की घटनाओं के कारण इंफाल घाटी के दायरे में आने वाले क्षेत्र में धान की खेती पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा है। हममें से कुछ लोग मन में डर के साथ खेतों में जाते हैं लेकिन हमें खेती करनी ही होगी, अन्यथा हमें सालभर भूखे रहना पड़ेगा।

किसानों ने कहा कि, इस साल कम उत्पादन के कारण अगले साल 'मैतेई चावल' की कमी हो जाएगी और कीमत बढ़ जाएगी। इसी जिले के एक अन्य किसान सबित कुमार ने कहा, चावल की देसी किस्म की रोपाई और निराई जून और जुलाई में की जाती है, जबकि कटाई पांच महीने बाद नवंबर के अंत में की जाती है।

उन्होंने कहा, इस वर्ष बारिश की कमी ने हमारी परेशानियां और बढ़ा दी हैं। पिछले वर्ष मई के अंत में भारी बारिश के कारण धान के खेतों में पानी भर गया था, जबकि इस साल कम बारिश हुई है। चिलचिलाती धूप से जमीन सूख जाती है, जिससे खेती करना मुश्किल हो गया है। 'मैतेई चावल' की खेती के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है। राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पहले कहा था कि किसानों को खेती के दौरान सुरक्षा प्रदान करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में राज्य के 2 हजार बलों को तैनात किया गया है।

मॉब लिंचिंग: मवेशी चोरी के संदेह में शख्स की पीट-पीटकर की हत्या

शिलांग, एजेंसी।

मेघालय के पश्चिमी गारो हिल्स जिले में मवेशी चोरी करने के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मृतक असम का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सेल्सेला के बाकलाग्रे गांव में हुई। जब लोगों ने व्यक्ति को पीटकर मार डाला। जिला पुलिस अधीक्षक विवेकानंद सिंह ने बताया कि, पीड़ित की पहचान पुरंदियारा गांव के अयनल हक के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि, अयनल हक को बाकलाग्रे में ग्रामीणों ने उस समय बुरी तरह पीटा, जब वह दो गायों के साथ भागने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि, अयनल हक मॉब लिंचिंग का शिकार हो गए। उन्होंने कहा कि हक को लोगों ने पकड़ लिया और पीट-पीटकर मार डाला।

विवेकानंद सिंह ने कहा कि जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब उसने दम तोड़ दिया था। मालूम हो कि अयनल हक के खिलाफ तुरा पुलिस स्टेशन में कई मामले दर्ज थे और हक को पिछले दिनों गिरफ्तार भी किया गया था।

चंद्रयान-3 मिशन की तैयारी का इसरो ने जारी किया वीडियो

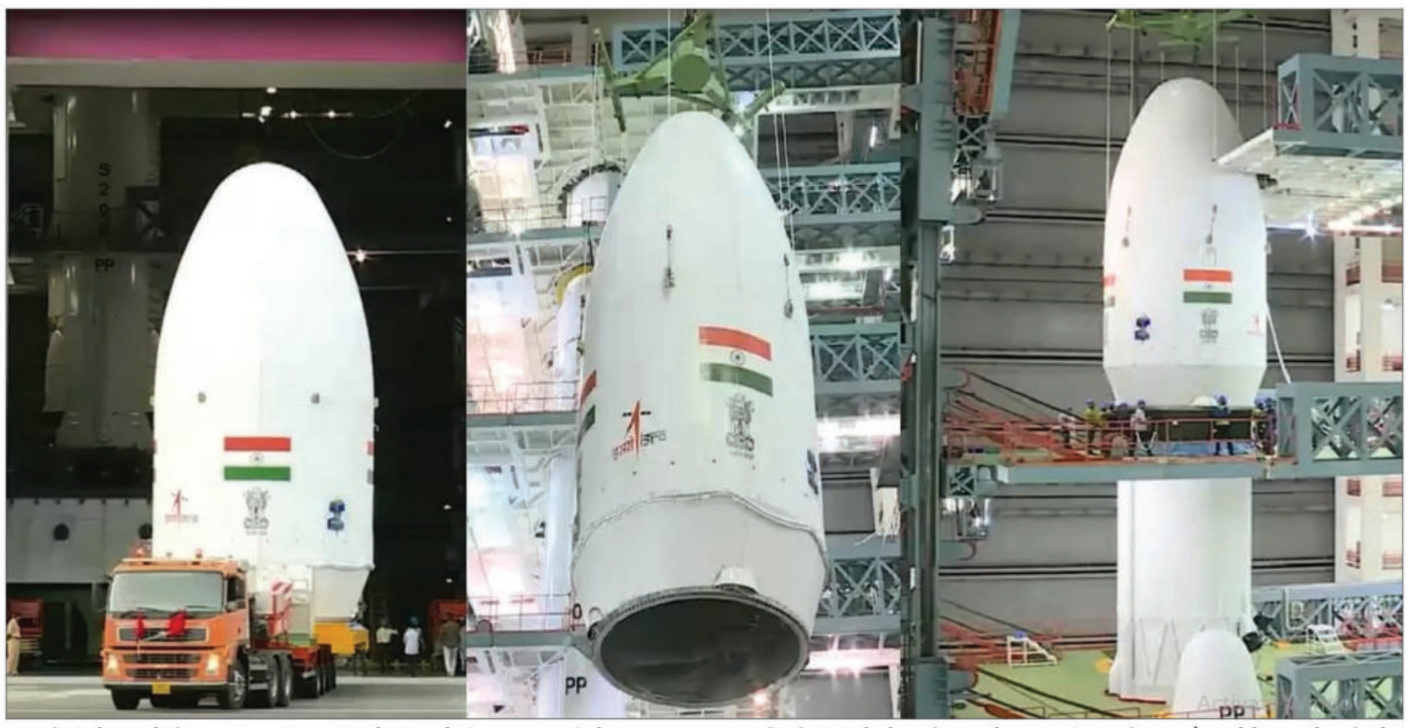

श्रीहरिकोटा, एजेंसी।

अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बहुप्रतीक्षित मिशन चंद्रयान-3 लॉन्चिंग के आखिरी चरणों में है। सब कुछ प्लान के अनुसार रहा तो इसरो चंद्रयान-3 को चंद्रमा के लिए 13 जुलाई को लॉन्च कर देगा। कुछ दिनों पहले इसरो के चेयरमैन एस. सोमनाथ ने कहा कि, हम इस बार चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में सक्षम होंगे और भारत को बड़ी कामयाबी हासिल होगी।

इसी बीच इसरो ने ट्वीट करते हुए जानकारी दी कि, बुधवार (5जून) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में चंद्रयान-3 की इनकैप्सुलेटेड असेंबली को एलवीएम-3 के साथ जोड़ा गया है। बता दें कि इसी इनकैप्सुलेटेड असेंबली में चंद्रयान-3 मौजूद है। इसरो ने पोस्ट करते हुए एक वीडियो जारी किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एलवीएम-3 के साथ इनकैप्सुलेटेड को असेंबल का किया गया।

चंद्रयान-3 के लैंडर में चार पेलोड हैं, जबकि छह पहिये वाले रोवर में दो पेलोड हैं। इसरो ने जानकारी दी कि चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर को वही नाम देने का फैसला किया है, जो चंद्रयान-2 के लैंडर और रोवर के नाम थे। चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम विक्रम ही होगा, जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है और रोवर का नाम प्रज्ञान होगा।

चंद्रयान-3 मिशन क्यों है खास?

अभी तक दुनिया के जितने भी देशों ने अभी चंद्रमा पर अपने यान भेजे हैं, उन सभी की लैंडिंग चांद के उत्तरी ध्रुव पर हुई है, लेकिन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरे वाला चंद्रयान-3 पहला अंतरिक्ष मिशन होगा। कुछ सालों पहले चंद्रयान-2 को भी इसरो ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर ही लैंड कराया था, लेकिन आखिरी चंद मिनटों में संपर्क टूटने मिशन नाकाम हो गया था।

इस बार चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए नए उपकरण बनाए गए हैं। इस मिशन में एल्गोरिदम को बेहतर किया गया है। चंद्रयान-3 मिशन की लैंडिंग साइट को 'डार्क साइड ऑफ मून' कहा जाता है क्योंकि यह हिस्सा पृथ्वी के सामने नहीं आता।

सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज,झाबुआ।

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान झाबुआ द्वारा महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक सुबोध जैन व आशीष श्रीवास्तव तथा एनआरएलएम से देवेंद्र श्रीवास्तव डीपीएम उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की वंदना कर दीप प्रज्वलित किया गया। अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना की गई एवं बैंकिंग संबंधित जानकारी दी गई। एनआरएलएम तथा आरसेटी द्वारा चलाये जा रहे पेटलावद ब्लॉक के झकनावदा गाँव की माहिलाओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर कैलाश सकलेचा, साधना तिवारी व आरसेटी स्टाफ रविना प्रजापति, विजय बहुगुणा एवं दीवान मेडा उपस्थित रहे।

गरज और बिजली के साथ भारी वर्षा होने की संभावना

माही की गूंज, खरगोन। मौसम विभाग के अनुसार मप्र के छिंदवाड़ा, सिवनी, बैतूल, बुरहानपुर, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन में अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ भारी वर्षा होने की संभावना जताई है। जबकि गुरूवार को सुबह 8:30 बजे भारतीय मानक समय अनुसार देवास, आगर और मंदसौर जिले में 64.5 मिमी से 115.5 मिमी के बीच भारी वर्षा होगी। मौसम विभाग से जारी चेतावनी को देखते हुए कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने फील्ड के अमले को अलर्ट किया है। उन्होंने राजस्व सहित ग्रामीण विकास विभाग, जलसंसाधन, होमगार्ड, एमपीईबी, स्वास्थ्य, खाद्य और अन्य विभागों को भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

ईसाई धर्म अपना लो, बच्चों को उच्च शिक्षा मिलेगी और कर्ज भी माफ करा देंगे, हिंदू को दी लालच

इंदौर।

जिले में पुलिस ने 34 वर्षीय महिला की धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में एक दम्पति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बाणगंगा पुलिस थाने के प्रभारी राजेंद्र सोनी ने बताया कि, जॉनी जॉर्ज, उनकी पत्नी शाली जॉर्ज और गणेश राजुरकर को भारतीय दंड विधान की धारा 295-ए (किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे से जानबूझकर किए गए विद्वेषपूर्ण कार्य) के तहत गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि, कुमेढ़ी कांकड़ में रहने वाली रामदेवी कुर्मी (34) ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। थाना प्रभारी ने प्राथमिकी के हवाले से बताया कि तीनों आरोपी ईसाई धर्म के प्रचार की किताबों के साथ तीन जुलाई की शाम महिला के घर पहुंचे और वहां लगी हिंदू देवताओं की तस्वीरों के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक बातें कहीं जिससे उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची।

उन्होंने बताया कि, महिला का यह आरोप भी है कि तीनों लोगों ने उसे कर्ज माफी, बड़े विद्यालयों में बच्चों की शिक्षा जैसे आर्थिक प्रलोभन दिए और उसे हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दुष्प्रेरित किया। थाना प्रभारी ने बताया कि, महिला के आरोपों की विस्तृत जांच की जा रही है।

संभागायुक्त एवं आईजी ने श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी मार्ग एवं मन्दिर परिसर में चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, उज्जैन।

संभागायुक्त संदीप यादव, आईजी संतोष कुमार सिंह, डीआईजी अनिल कुशवाह, कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम एवं पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ श्रावण एवं भादौ माह की निकलने वाली भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी के पारम्परिक मार्ग का एवं मन्दिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को भगवान महाकाल की सवारी की तैयारियों के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिये।

संभागायुक्त एवं आईजी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सर्वप्रथम महाकाल लोक से शंख द्वार से होते हुए महाकाल मन्दिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों से निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की और निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। प्रशासनिक अधिकारियों ने परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों के अवलोकन के बाद मन्दिर के मुख्य द्वार से ई-रिक्शा से कोट मोहल्ला चौराहा होते हुए गुदरी चौराहा से रामघाट, रामघाट से गणगौर दरवाजा, कार्तिक चौक, खाती समाज जगदीश मन्दिर, ढाबा रोड, मावा बाजार, छत्रीचौक, गोपाल मन्दिर, पटनी बाजार सवारी मार्ग का निरीक्षण किया। इसके बाद महाकाल लोक के कॉरिडोर में स्थित कंट्रोल रूम पहुंचकर मन्दिर परिसर एवं मन्दिर के बाहर विभिन्न स्थानों पर लगे कैमरों का निरीक्षण किया। संभागायुक्त ने गुदरी, हरसिद्धि की पाल, रामघाट, गोपाल मन्दिर सहित समस्त सवारी मार्ग में व्यवस्थित बेरिकेटिंग करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान एडीएम अनुकूल जैन, एएसपी आकाश भूरिया, प्रशासक संदीप सोनी, स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष पाठक सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

भगवान श्री महाकालेश्वर की पहली सवारी 10 जुलाई को

श्रावण एवं भादौ मास में निकलने वाली भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी के क्रम में प्रथम सवारी 10 जुलाई को निकाली जायेगी। द्वितीय सवारी 17 जुलाई को, तृतीय सवारी 24 जुलाई को, चतुर्थ सवारी 31 जुलाई को, 7 अगस्त को पांचवी सवारी और 14 अगस्त को छटी सवारी को निकाली जायेगी। सातवी सवारी एवं नागपंचमी पर्व सोमवार 21 अगस्त को, आठवी सवारी 28 अगस्त, नौंवी सवारी 4 सितम्बर और प्रमुख व शाही सवारी सोमवार 11 सितम्बर को निकाली जायेगी।

ओरिऐटेंशन कार्यक्रम में नव नियुक्त बैंकिंग सहायकों को दिए टिप्स

माही की गूंज, धार।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार में नव नियुक्त बैंकिंग सहायको हेतु ओरिऐटेंशन कार्यक्रम का आयोजन बैंक सभाकक्ष में किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सर्वप्रथम नवनियुक्त बैंकिंग सहायकों को तिलक लगाकर उनका अभिनन्दन किया गया है।

ओरिऐंटेशन कार्यक्रम मे बैंक महाप्रबंधक पीएस धनवाल द्वारा नव नियुक्त बैंकिंग सहायकों को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं संबंद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली एवं उनकी रीति-नीति के बारे मे सुक्ष्मता से जानकारी दी जाकर नवनियुक्त कर्मचारियो से आव्हान किया गया कि वह पुरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कार्यागत समस्याऐं आने पर उनका समाधान हेतु विकल्प तलाशें एवं अपने वरिष्ठ कर्मचारियों से विन्रमतापूर्वक मार्गदर्शन लेते हुए अपना-अपना कार्य सम्पादित करें। कर्तव्य स्थल पर हमेशा विन्रम रहते हुए ग्राहकों एवं किसानों के साथ सम्पर्क स्थापित करें। बैंकिंग की प्रक्रिया, नीतियॉ, नियमों, म.प्र. सहकारी अधिनियम, बैंकिंग अधिनियम आदि का ग्रहण अध्ययन कर उनका अनुशरण एवं अनुपालन करें। किसी मुद्दे को समझने में कठिनाई आती है तो वरिष्ठ अधिकारियों से उसके संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए आगामी कार्यवाही सम्पर्ण करें। इस अवसर पर स्थापना अधिकारी ममता शुक्ला, प्रबंधक लेखा विकास लाड, प्रबंधक विपणन विरेन्द्र यादव, शाखा प्रबंधक दीपक शुक्ला, योगेश दीक्षित, दीपा शर्मा, संजय लुहाडिया, कमल पाटिल एवं बैंक अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से राजस्व प्रकरणों एवं नामांतरण/बंटवारा/सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा, राजस्व वसूली की समीक्षा, पी.एम. किसान ई-केवायसी, पी.एम. किसान आधार पर बैंक खाता लिंकिग, नक्शा शुद्धिकरण पखवाड़ा, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री भू-आवासीय योजना, लंबित सीएम मॉनिट/सीएस मॉनिट प्रकरण, सी.एम. हेल्प लाईन, प्रकरणों की समीक्षा, निर्माण कार्यो की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी, विभागीय परिसंपत्तियों के अनुरक्षण कार्यो की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति, म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 165(6) के लंबित प्रतिवेदन,

मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकार योजना धारणाधिकार, भूमि आवंटन हेतु लंबित प्रकरणों की समीक्षा के संबंध में चर्चा की गई।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा राजस्व वसूली के संबंध में सभी अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर कार्य करने को कहा गया। लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जाहिर करते हुए किसी भी प्रकरण को ज्यादा समय तक लंबित नही रखने के निर्देश दिए।

बैठक में एडीएम एसएस. मुजाल्दा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सुनिल कुमार झा, पेटलावद अनिल राठौर, तहसीलदार सुखदेव डावर, आशीष राठौर, सुनिल डावर एवं नायब तहसीलदार पलकेश परमार, श्रीमती सोनु गोयल, सुश्री शीतल सोलंकी, अधीक्षक भू-अभिलेख पवन वास्कले आदि उपस्थित रहे।

सरकार का आदेश, वर्षाकाल में नहीं हटाया जाएगा अतिक्रमण

माही की गूंज, थांदला।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए संवेदनशील है जिसका ताजा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उनके निर्देश पर मध्यप्रदेश शासन के अपर सचिव चन्द्रशेखर वालिम्बे ने 23 जून के आदेश क्रमांक 906/23 के द्वारा प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को वर्षाकाल में अतिक्रमण नही हटाये जाने के आदेश जारी करते हुए प्रस्तुत किया है। अपर सचिव के द्वारा जारी आदेश में उन्होंनें नजूल की भूमि में आवासीय स्थिति के मकानों के साथ लघु व्यापारियों की गुमटी, ठेले आदि को वैकल्पिक स्थान उपलब्ध किये बिना किसी भी प्रकार से परेशान नहीं करते हुए अतिक्रमण नही हटाया जाए। मध्यप्रदेश शासन के इस आदेश से गरीब व निम्न वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी।

सीखो कमाओं योजना का प्रसारण

माही की गूंज, थांदला।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सीखो-कामाओं योजना को रविन्द्र भवन, भोपाल से लांच किया गया। जिसका सीधा प्रसारण फैसबुक, यूटूयूब के माध्यम से ऑनलाईन किया गया। इस ऑनलाईन प्रसारण कार्यक्रम को महाविद्यालय में भी प्राजेक्टर के माध्यम से प्रवेशित विद्यार्थियों को दिखाया गया। जिसमें 18 से 29 वर्ष तक के म.प्र. के मूल निवासी जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वी, आईटीआई, डिप्लोमा एवं स्नातक हो को प्रतिमाह 8 से 10 हजार प्रतिमाह प्रशिक्षण उपरान्त दिया जावेगा। मुख्यमंत्री का उद्देश्य है कि, प्रदेश के युवा बेरोजगार विभिन्न प्रकार के उधमी प्रशिक्षण, विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त कर, शिक्षा के साथ रोजगार भी प्राप्त कर सकेगें। मुख्यमंत्री ने 70 से अधिक प्रशिक्षण कोर्स के बारे में विस्तृत से बताया। यह सीखो-कामाओं योजना 4 जूलाई से ग्रीन सिंग्नल दबाकर लागू की गई है। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष, अमित शाह, प्राचार्य डॉ जीसी मेहता, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.पीटर डोडियार, प्रो. एसएस. मुवेल, डॉ. मनोहर सोलंकी, प्रो. हिमांशु मालवीया, प्रो. रितु राठौर, डॉ. दीपिका जोशी, प्रो.केसर सिंह डोडवे, कालुसिंह चौहान, दिनेश मोरिया, दलसिंह मोरी, विक्रम डामोर सहित समस्त स्टाफ एंव प्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फलिया स्कूलों में समस्याओं का अंबार

माही की गूंज, काकनवानी।

हाई सेकेंडरी स्कूल काकनवानी पर नया शिक्षा सत्र का शुभारंभ किया गया। जिसमें नवीन पदस्थ होकर आए शिक्षकों का स्वागत अभिनंदन किया गया। जिसके पूर्व सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई, जिसके पश्चात समस्त शिक्षक, ग्रामवासियों, सरपंच व जनप्रतिनिधि के बीच एक बैठक आयोजित की गई, जिस बैठक में गांव के सरपंच द्वारा शिक्षकों को हिदायत दी गई कि, नया शिक्षा सत्र के तहत शिक्षक, शिक्षा क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएं और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे हमारी समस्त शासकीय संकुल में शिक्षा का स्तर बड़े और हमारे इस क्षेत्र के छात्र पढ़ लिखकर ऊंचाइयों को छुए और और हमारे फलिए, गांव स्कूल एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करें। हमारी लापरवाही के कारण ग्रामवासी निजी संस्थाओं में उच्च शिक्षा के लिए अपनी कमाई का सारा धन लगा देते हैं जो अत्यंत ही गरीब है वह व्यक्ति अपने बच्चों को निजी संस्थाओं में दाखिल नहीं कर सकते। हमारे शासकीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर बिल्कुल नीचे होता जा रहा है, जिसके कारण निजी संस्थाओं में भीड़ बढ़ने लगी है और शासकीय स्कूलों की ओर रूचि कम होने लगी।

जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासियों ने शिक्षा क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को भी शिक्षकों से सुनी। जिस पर शिक्षकों द्वारा बताया गया कि, पारगी फलिया गणेशपुरा में शौचालय नहीं होने से काफी दिक्कत हो रही है एवं बाजार में कन्या मिडिल स्कूल में पानी की समस्या के कारण काफी दिक्कत है आ रही है, विशेषकर बारिश में होने वाली समस्याओं को भी अवगत करवाया। ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली सभी स्कूलों में जो भवन बने हैं उन सभी भवन की छतों से पानी टपकता रहता है। जिससे बच्चों को बैठने में काफी परेशानी आ रही है। तालाब फलिया, मुनिया फलिया, डामोर फलिया, निनामा फलिया एवं सिंगाडिया फलिया इन समस्त स्कूलों की छत से बारिश का पानी निरंतर टपकता रहता है इन सभी स्कूलों में मात्र एक-एक कमरे ही है जिनके आसपास में और कोई अन्यत्र बिल्डिंग नहीं है जहां बच्चों को बिठाकर पढ़ाया जा सके। इन्हीं समस्याओं के साथ पूरी पंचायत में सिर्फ बाजार में कन्या मिडिल स्कूल को छोड़ कई समय से किसी भी स्कूलों में स्व सहायता समूह द्वारा भोजन नहीं दिया जा रहा है। जिस पर इस समस्या से संबंधित प्रिंसिपल और सीएससी स्कूल समन्वयक को बताया गया कि, अपने अधिकारियों को अवगत कराएं एवं इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जावे।

इस मौके पर ग्राम वासियों सहित सरपंच पति भाजपा मंडल उपाध्यक्ष बाबू निनामा, प्रदेश सदस्य मक्कन डामोर, पंच बीजिया बारिया एवं पंचायत में आने वाली सभी संकुल के शिक्षक गण उपस्थित थें।

धुमधाम से मनाई गुरूपुर्णिमा

माही की गूंज, थांदला।

श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम वैकुंठ धाम गुरुद्वारा थांदला में गुरुपूर्णिमा पर्व आनंद और उल्हास से मनाया गया। आश्रम प्रभारी भूदेव आचार्य ने बताया कि, इस आध्यात्मिक पर्व पर प्रातः ब्राह्म मुहूर्त में मंदिर में विराजित सभी स्वरूपों का दिव्य अभिषेक तथा श्रंगार हुआ। तत्पश्चात, मंगला आरती और गुरुदेव की चरण पादुका की पूजन आरंभ हुई। न्यास के अध्यक्ष राजेंद्र अग्निहोत्री के अनुसार यह सिलसिला दोपहर बारह बजे तक चलता रहा। उसके बाद आरती हुई।

सचिव डाक्टर जया पाठक ने जानकारी दी कि, महापूजन और महाआरती में थांदला नगर, झाबुआ, आलीराजपुर, मालवा, निमाड़, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, सौराष्ट्र आदि राज्यों से पधारे सैकड़ो भक्त जनों ने पूजन-अर्चन का पुण्य लाभ लिया और महाप्रसाद प्राप्त किया। दीपक आचार्य और मनीष वैरागी के नेतृत्व में भजन सतत चलते रहे। श्री भूदेव आचार्य, कोषाध्यक्ष भागवत शुक्ल और पंडित ज्ञानदेव आचार्य के साथ हिमांशु आचार्य उपाध्याय पुरुषोत्तम, राजेन्द्र भट्ट, चिंटू वैरागी आदि पंडितों ने अनुष्ठान विधि संपन्न करवाई। वयोवृद्ध उपाध्यक्ष श्री रंग आचार्य के सतत मार्गदर्शन में पूजा कर्म संपन्न हुआ। रमेन्द्र सोनी, रमेशचंद्र उपाध्याय, गणपति वैरागी, ओम वैरागी, तुषार भट्ट, जगदीप आचार्य, निरंजन पाठक, अरविंद चौहान, मोहन गढ़वाल, शिवराम नागर, किशोर आचार्य, अनिल पाठक, तरुण भट्ट, अशोक भटनागर, नामदेव आचार्य आदि न्यासियों और भक्तों के समर्पण और भक्ति मयी साधना ,कुशल संयोजन और परिश्रम से यह महापर्व सानंद संपन्न हुआ। बाहर से पधारे भक्तों को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर ब्राह्मण महिला मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन भी किया गया।

ओंकारेश्वर महादेव मंदिर पर भक्ति में रमे श्रद्धालु

माही की गूंज, सारंगी।

भगवान शिव को प्रिय सावन मास की शुरुआत मंगलवार से हो गई है। अब श्रावणी पूर्णिमा तक भोले के भक्त शिवभक्त लीन रहेंगे। सावन के पहले दिन ओकारेश्वर महादेव मंदिर, नर्वदेश्वर महादेव मंदिर, गंगा जल शिव मंदिर, चौकी परिसर शिव मंदिर पर भक्तों की भीड़ उमड़ी। सभी शिवालयों में भगवान का श्रृंगार अभिषेक पूजन किया गया। देर शाम तक शिवालयों में भक्तों का ताता लगा रहा। पूरा नगर भोले के जयकारों से गूंज उठा इसी के साथ सावन के प्रति सोमवार को महाकाल ग्रुप द्वारा भगवान भोलेनाथ को नगर भ्रमण कराया जाएगा।

खेड़ापति हनुमान मंदिर पर ध्वजा चढ़ाई

ओमकारेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी ने बताया कि, श्रावण मास के पहले दिन सुबह भगवान पर अभिषेक कर, श्रृंगार किया गया। आरती पश्चात दर्शन का सिलसिला प्रारंभ हुआ रात 8 बजे ढोल-नगाड़ों के साथ शयन आरती हुई। ओमकारेश्वर मंदिर पर प्रतिदिन पंडित मयूर जोशी द्वारा पांच अभिषेक अलग-अलग भक्तों के द्वारा कराए जा रहे हैं। अभिषेक का दौर पूरे सावन महीने में चलेगा। सावन माह के प्रथम मंगलवार रात को जितेंद्र बसेर द्वारा अपने निज निवास पर संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया सुंदरकांड की शानदार प्रस्तुति सुंदरकांड मंडल सारंगी के सदस्यों द्वारा दी गई। देर रात तक चले सुंदरकांड पारायण में भक्तों ने भजनों पर नृत्य करते हुए आनंद लिया। सावन के अंतिम सोमवार को भगवान भोलेनाथ की परंपरा अनुसार श्रावण मास के अंतिम सोमवार को साही सवारी निकाली जाएगी।

स्कूल चले हम, योजना की साइकिल बाज़र में बेचने का आरोप, एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, थांदला।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला झाबुआ, ईकाई थांदला ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) थांदला की अनुपस्थिति में उनके आवक-जावक रीडर अधिकारी को ज्ञापन सोपा। जिसमें एबीवीपी प्रांत कार्यसमिति छात्र नेता प्रताप कटारा ने कहा कि, स्कूल चले अभियान के तहत साईकिल वितरण में किये गए भ्रष्टाचार की जांच कर कार्यवाही करें। प्रशासन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय काकनवानी में स्कूल चले अभियान के तहत कक्षा 6टी एवं 9वी में प्रवेशित छात्र-छात्राओं को साईकिल वितरण करनी थी, परन्तु प्राचार्य व शिक्षकों ने मिलकर साइकिल वितरण में गड़बड़ी कर भ्रष्टाचार किया, जो सोशल मिडिया के माध्यम से उजागर हुआ। नियमानुसार कक्षा 6टी एवं 9वी में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित करनी थी, परन्तु कुछ विद्यार्थियों को वितरित करके शेष बची साईकिलें ग्रामीणों को बेंच दी। जिसके विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहें हैं। साथ ही स्कूल में फर्नीचर आये थे वह भी शिक्षकों ने अपने घरों में रख रखें है।

विद्यार्थियों का कहना है कि, छात्रवृत्ति में भी अपात्र कर वंचित कर दिया है। छात्र नेता प्रताप कटारा का कहना है कि, स्कूल में चल रही गड़बड़ी एवं भ्रष्टाचार की जांच कर संबंधित शिक्षकों से राशि वसूल करते हुए भ्रष्टाचार में लिप्त सभी शिक्षकों एवं प्राचार्य को बर्खास्त करें, साथ ही उन पर प्रकरण दर्ज करवाकर कार्यवाही करने का अनुरोध है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं विकास भुरीया प्रांत कार्यकारणी सदस्य, संतोष डामोर सामाजिक कार्यकर्ता काकनवानी, अजय भाबोर जिला एसएफडी संयोजक, विजय भाबोर कालेज उपाध्यक्ष थांदला, प्रियांश अड़, उमेश डामोर, सुनील डामोर, निलेश निनामा, रिंकू निनामा, शिवा सिंगाड़िया आदि उपस्थित रहे।

खाद्यान्न वितरण के संबंध में बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग अन्तर्गत खाद्यान्न वितरण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मई, जून एवं जुलाई 2023 के राशन वितरण की समीक्षा की गई। ग्रामीणों को खाद्यान्न की उपलब्धता की सूचना देने के लिए कोतवारों की ड्यूटी लगाई जाने को कहा गया। हितग्राहियों के शत-प्रतिशत ई-केवायसी कराए जाने को कहा गया। खाद्यान्न जिनमें गेहूं, चावल, शक्कर, नमक आदि का उठाव समय पर कराए जाने के निर्देश दिए। जिन दुकानों पर खाद्यान्न उठाव की समस्या आ रही है उनकी चिन्हीत कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री हुड्डा ने दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में स्टोक रखने, अधिकारियों को फिल्ड पर जाकर खाद्यान्न वितरण का निरीक्षण करने को कहा गया। लोगों की सुविधा की दृष्टि से दुकानों की लोकेशन निर्धारित की जाए कही किसी को कोई समस्या ना हो। संबंधित अधिकारियों को ट्रांसपोर्टस से मीटिंग करने एवं खाद्यान्न उठाव का गेप कम करने को कहा गया। सेल्समैन को अनाज दुकान के बाहर रखकर व ऑनलाइन मोड में ही वितरण करने के निर्देश दिए।

खनिज उत्खनन करने वाले ठेकेदार की कलेक्टर से की शिकायत

रॉयल्टी कम दर्शाने और अधिकारियों से सांठगांठ का भी लगाया आरोप

माही की गूंज, थांदला।

नगर से 12 किलोमीटर दूर ग्राम मोरझरी में हाल ही में निर्मित हुए 8 लेन भारतमाला परियोजना में निर्मित खनिज की रॉयल्टी व अधिक मात्रा में ठेकेदार द्वारा खनिज का उत्खनन कर विभागीय अधिकारियों से सांठगांठ कर राजस्व को नुकसान पहुंचाने का एक मामला प्रकाश में आया है। काकनवानी भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश डामोर ने बुधवार को कलेक्टर तन्वी हुड्डा को ज्ञापन सौंपकर खनिज उत्खनन करने वाले ठेकेदार प्रीतम कटारा निवासी जुनी रंभापुर के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। साथ ही शासन को खनिज रॉयल्टी कम दर्शाकर अधिकारियों पर सांठगांठ का आरोप भी लगाया है।

कलेक्टर को दिए ज्ञापन में डामोर ने बताया कि 8 लाइन रोड निर्माण कार्य हेतु क्रेशर प्लांट परिवहन अनुज्ञा बघेल कंस्ट्रक्शन के पक्ष में स्वीकृत हुआ था। वर्तमान में कार्य पूर्ण होने से क्रेशर प्लांट हटा लिया गया है। किंतु स्वीकृत अवधि में उत्पादित खनिज से निर्मित खनिज डस्ट (वेस्ट मटेरियल) पड़ा हुआ है। जिसमें आवेदक द्वारा खनिज डस्ट (वेस्ट मटेरियल) 4000 घन मीटर विक्रय करने हेतु परिवहन अनुज्ञा की मांग की गई। आपके संदर्भित आदेश के तहत प्रीतम पिता भीर सिंह कटारा निवासी जुनी रंभापुर तहसील मेघनगर को स्वीकृति संदर्भित आदेश के तहत 1 माह की अवधि हेतु प्रदान की गई है। किंतु संबंधित द्वारा खनिज डस्ट (वेस्ट मटेरियल) परिवहन का कार्य अभी भी किया जा रहा है।

साथ ही आपके संदर्भित आदेश में जो उल्लेखित दिशा-निर्देश दिए गए हैं उसका पालन न किया जाकर परिवहन का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर मेडम के संज्ञान में लाए बगैर खनिज शाखा के अधिकारी-कर्मचारी से सांठगांठ कर तथा मौके पर जितना खनिज डस्ट (वेस्ट मटेरियल) पढ़ा था उसकी सही मात्रा ना बताकर गलत जानकारी के आधार पर संबंधित द्वारा कार्य किया जा रहा है। जिससे शासन राजस्व को काफी नुकसान हो रहा है।

ग्राम मोरझरी में जहां से 8 लेन रोड निकल रहा है वहां पर निम्न स्थानों पर खनिज डस्ट (वेस्ट मटेरियल) पड़ा हुआ है। जो कि इस प्रकार है - 1. टीटू के ढाबे के सामने कुल अनुमानित 32000 टन खनिज डस्ट, चेनेज 231.500 पर 8 लाइन रोड पर खनिज डस्ट है, एल एच एस साइट पर अनुमानित 10000 टन खनिज डस्ट, जिसमें से दिनांक 26/06/ 2023 से 27/06/2023 तक गाड़ियां भरवाई गई। 3. चेनेज 232.500 पर कोकिन्दा पहाड़ के नीचे जो डस्ट पड़ा है उसकी मात्रा लगभग अनुमानित 6000 टन है। इस प्रकार कुल 48000 टन खनिज डस्ट (वेस्ट मटेरियल) परिवहन किया जाना था। लेकिन स्वीकृत परिवहन अनुज्ञाकर्ता द्वारा खनिज विभाग के कतिपय अधिकारी-कर्मचारी से मिलीभगत कर मौके पर कम मात्रा में रखा हुआ होना बताया। जिससे रॉयल्टी की राशि का शासन को काफी नुकसान कर परिवहनकर्ता द्वारा चार गुना लाभ लिया गया है। जो कि जांच का विषय है।

अतः कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि उक्त खनिज डस्ट (वेस्ट मटेरियल) की जांच खनिज विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों से ना करवाते हुए जिला स्तर से पृथक समिति का गठन करवाया जाकर जांच करवाई जाए। दोषी पाए जाने पर आपके संदर्भित आदेश के तहत जिस व्यक्ति को परिवहन अनुज्ञा स्वीकृत दी गई थी, उसके विरुद्ध नियमों का पालन न करने पर 10 गुना राशि वसूल करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। खनिज डस्ट मौके पर अधिक होने एवं शासन को कम मात्रा में बताए जाने के आरोप के आधार पर खनिज विभाग झाबुआ के अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की ज्ञापन में मांग की गई है।

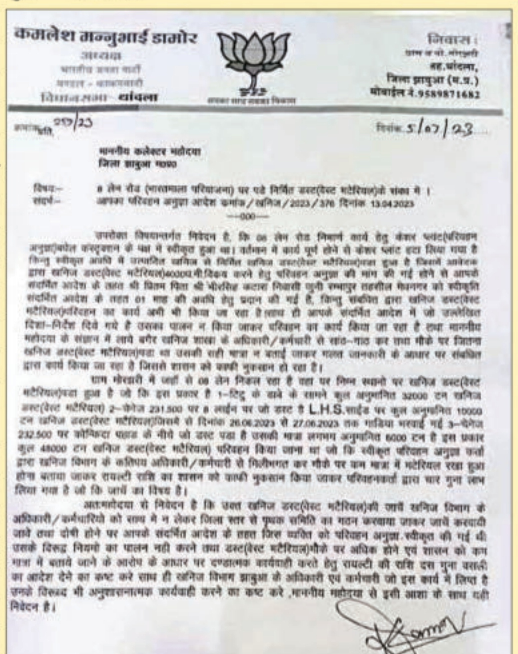
कमलेश मन्नुभाई डामोर

निवास :
तह.थांदला,
जिला झाबुआ (म.प्र.)
मोबाईल नं.9589871682

दिनांक 5/07/23

(कमलेश-मन्नुभाई डामोर)

संपादकीय

जनता से छल

महाराष्ट्र में राकांपा में टूट और राजग के कुनबे का विस्तार करते हुए बागियों का सरकार में शामिल होना राजनीतिक अनिश्चितताओं के साथ नेताओं के सत्ता मोह को भी दर्शाता है। विधायकों का रातों-रात पाला बदलकर दूसरे की सरकार में शामिल होना बताता है कि सत्ता के लिये परिवार व पार्टी के कोई मायने नहीं हैं। लेकिन एक बात तो साफ है कि, दल-बदल निरोधक कानून आया राम-गया राम की राजनीति पर अंकुश लगाने में नाकामयाब रहा है। बल्कि कहा जा सकता है कि, सत्ता के लिए महत्वाकांक्षी राजनेताओं ने कानून के प्रावधान में नए छिद्र तलाशे हैं। बल्कि यूं कहें कि, दलबदल का दायरा बड़ा हो गया है। इस बदलाव का संकेत यह भी है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल सत्ता व अन्य ताकत के स्रोतों के जरिए किसी भी दल में तोड़फोड़ करने में सक्षम हो जाता है। राज्य में सरकार बनाने के लिए पहले भाजपा व शिवसेना का मिलकर चुनाव लड़ना और चुनाव के बाद भाजपा से नाता तोड़कर शिवसेना का कांग्रेस, राकांपा आदि दलों के साथ सरकार बनाना, फिर शिवसेना में विद्रोह और भाजपा के साथ बागी शिवसैनिकों का सरकार में शामिल होना बताता है कि, कैसे राजनेता किसी दल विशेष के खिलाफ जनता से वोट मांगते हैं और फिर सत्ता सुख के लिए उसी विरोधी राजनीतिक दल के बगलगीर हो जाते हैं। नि:संदेह, ये मतदाताओं के साथ छल ही है। आप ने दूसरे मुद्दों पर वोट मांगा और किसी दल विशेष के खिलाफ जनादेश पाया और बाद में कुर्सी के लिये उसी दल की सरकार का हिस्सा हो गये। पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र में राजनीतिक विद्रूपता के साथ ही राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी खासे विवाद हुए। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को सख्त टिप्पणी करनी पड़ी। लेकिन एक बात तो तय है कि कदम-कदम पर लोकतांत्रिक शुचिता का हनन जारी है। बहरहाल, सत्ता सुख के लिये राजनीतिक विद्रूपताओं का चेहरा सबके सामने उजागर हो गया है।

वहीं दूसरी ओर राकांपा में चाचा-भतीजे की महत्वाकांक्षाओं से उपजी फूट में कहीं न कहीं परिवारवादी राजनीति का हश्र भी सामने आया है। देश में कुछ दशकों से परिवारवाद की राजनीति का जो विद्रूप चेहरा सामने आया है, यह उसकी परिणति ही है। हालांकि, पहले भी अजीत पवार भाजपा के साथ मिलकर सरकार चलाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन हालिया संकट तब उपजा जब शरद पवार ने अपनी राजनीतिक विरासत बेटी सुप्रिया सुले को सौंपी। यही पुत्री मोह शरद पवार को भारी पड़ गया। नि:संदेह, जो राजनीतिक दल परिवारवाद की राजनीति का पोषण करते हैं उन्हें कालांतर परिवार के बिखराव का दंश भी भुगतना ही पड़ता है। बहरहाल, यह घटनाक्रम न केवल राष्ट्रवादी कांग्रेस बल्कि महाविकास अघाड़ी के लिये भी बड़ा झटका है। वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों शुरू हुई विपक्षी एकता की कोशिशों को भी इस घटनाक्रम से क्षति पहुंची है। जाहिर तौर पर तोड़फोड़ के इस खेल का लक्ष्य अगले साल होने वाला आम चुनाव भी है। यह सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा लोकसभा की सीटें महाराष्ट्र से ही हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार चला रहे दलों को आम चुनाव में सुविधाजनक तंत्र के चलते कुछ बढ़त तो मिलती ही है। राज्य में तुरत-फुरत हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम के आयोजन के निहितार्थ यह भी थे कि पहली बार चाचा से विद्रोह करने वाले अजीत पवार कहीं पहले की तरह फिर से राकांपा के खेमे में न लौट जाएं। जाहिरा तौर पर आने वाले दिनों में लड़ाई इस बात को लेकर भी होगी कि पार्टी का असली मुखिया कौन होगा। असली राकांपा किसके हिस्से में आती है। आने वाले दिनों में राजनीति के महारथी शरद पवार अदालत व चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटा कर अपनी राजनीतिक विरासत को पाने को प्रयास करेंगे। वहीं दूसरी ओर राज्य में सत्ता के समीकरणों में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा। देखना होगा कि एकनाथ शिंदे मजबूत होते हैं कि देवेंद्र फडणवीस। बहरहाल, घटनाक्रम जनता के लिये सबक है कि कैसे राजनीतिक दल मूल्यों व जनता हित की दुहाई देकर तुरत-फुरत दूसरे दल के खेमे में चले जाते हैं।

खाद्य संकट के बीच उम्मीद बनता भारत

वैश्विक खाद्यान्न संकट पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए भारत की नई अहमियत रेखांकित हो रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के लगातार बढ़ने के कारण जो वैश्विक खाद्य संकट पिछले कई महीनों से बढ़ता जा रहा है, वह अब मई, 2023 में चीन में भारी वर्षा और बाढ़ के कारण चौपट हुई गेहूं की फसल के कारण और चुनौतीपूर्ण बन गया है। स्थिति यह है कि चीन में गेहूं की पैदावार में भारी कमी आने से चीन इस वर्ष बड़ी मात्रा में गेहूं आयात करते हुए भी दिखाई दे सकता है। ऐसे में दुनिया के अनेक देश खाद्य संकट से निपटने और अपनी खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर भारत की ओर निगाहें लगाए हुए हैं।

हाल ही में हैदराबाद में आयोजित जी-20 कृषि मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस समय जब दुनिया के सामने खाद्य सुरक्षा की चिंताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं तब भारत बैक टू बेसिक्स एंड मार्च टू फ्यूचर की नीति के साथ देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत बनाते हुए दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मदद कर रहा है। इस सम्मेलन में सरकार का कहना था कि देश में कृषि-विविधता को बढ़ावा, कृषि क्षेत्र में प्रभावी नीतियों, डिजिटल कृषि आदि से किसानों को लाभ मिल रहा है, उससे खाद्यान्न उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है और देश में खाद्य सुरक्षा मजबूत होती जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि इस परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता बनाने की योजना भारत ही नहीं, दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मील का पत्थर साबित होगी।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों द्वारा भारत की खाद्य सुरक्षा की सराहना की जा रही है। भारत में जहां कोरोना काल में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त अनाज दिया गया, वहीं इस वर्ष जनवरी, 2023 से वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त अनाज वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2023 में वर्षभर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की यह पहल दुनिया भर में रेखांकित की जा रही है।

नि:संदेह एक ऐसे समय में जब दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी बनी हुई है, भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल फंड ऑफ एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट के मुताबिक पिछले साल 2022 में भारत ने गेहूं की भारी कमी झेल रहे दुनिया के 18 देशों को गेहूं भेजा है। आज दुनिया में जहां चीन गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, वहीं भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, रूस तीसरे नंबर पर है। भारत दुनिया का 9 वां सबसे बड़ा खाद्यान्न निर्यातक देश भी है।

देश में लगातार बढ़ता हुआ रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूती प्रदान कर रहा है, साथ ही इसी आधार पर भारत से दुनिया की अपेक्षाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन होगा। कृषि वर्ष 2022-23 में चावल का कुल उत्पादन (रिकॉर्ड) 1355.42 लाख टन होने का अनुमान है। देश में गेहूं का उत्पादन (रिकॉर्ड) 1127.43 लाख टन अनुमानित है। न्यूट्री/मोटे अनाज का उत्पादन 547.48 लाख टन अनुमानित है। 2022-23 के दौरान कुल दलहन उत्पादन 275.04 लाख टन अनुमानित है। साथ ही इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 जिस तरह उत्साहवर्द्धक रूप से आगे बढ़ रहा है तथा उत्पादन बढ़ाने के विशेष प्रयास हो रहे है, अधिक धन आवंटन तथा विशेष कार्य योजनाएं लागू की गई हैं, उनसे भी मोटा अनाज का उत्पादन बढ़ेगा। इन सबके कारण अधिक खाद्य सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा।

ऐसे में जब देश में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड बना रहा है, तब खाद्यान्न भंडारण की अधिक क्षमता भी जरूरी है। यदि हम देश की आजादी के बाद से अब तक देश की खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था और इसकी चुनौतियों का अध्ययन करें तो ऐसी कई रिपोर्टें दिखाई देती हैं, जो भंडारण की पर्याप्त सुविधा न होने कारण भारत में पिछले कई दशकों से खाद्यान्न की भारी बर्बादी के विवरण पेश करती हैं। भारत में किसान कड़ी मेहनत कर खाद्यान्न उगाते हैं लेकिन 12 से 14 फीसदी तक अन्न बर्बाद हो जाता है। अधिकांशतः किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता है। इसकी वजह यह है कि अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था नहीं होने की वजह से खेती करने के बाद कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। वास्तव में देश में खाद्यान्न भंडारण की समस्या जहां एक ओर फसलों की कटाई के दौरान निर्मित होती है, वहीं फसलों की कटाई के बाद कमजोर संग्रहण और कमजोर यातायात व्यवस्था के कारण भी यह उभरकर दिखाई देती है।

इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 31 मई को सरकार द्वारा स्वीकृत नई खाद्यान्न भंडारण क्षमता योजना महत्वपूर्ण दिखाई दे रही है। यह योजना लगभग एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ शुरू होगी। इस समय देश का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3,100 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। यद्यपि भारत दुनिया का प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देश है, लेकिन खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है। ऐसे में देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए प्रत्येक प्रखंड में 2000 टन क्षमता का गोदाम स्थापित किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की अहम भूमिका होगी। देश में अभी करीब एक लाख पैक्स हैं। पैक्स के स्तर पर भंडार गृह, प्रसंस्करण इकाई आदि कृषि व्यवस्थाएं निर्मित करके पैक्स को बहुउद्देशीय बनाया जाएगा और खाद्यान्न भंडारण में विविधता लाई जा सकेगी।

जयंतीलाल भंडारी

ऐसे में खाद्य सुरक्षा के लिए जिन कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा, उनमें पोषण, सतत् कृषि उत्पादन के लिए जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियां, कृषि प्रणाली मॉडल पर केंद्रित जलवायु स्मार्ट दृष्टिकोण, हरित तथा जलवायु अनुकूल कृषि के लिए वित्तपोषण, छोटे और सीमांत किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अवसंरचना को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए अधिक निवेश, समावेशी कृषि मूल्य श्रृंखलाएं, कृषि बदलाव हेतु डिजिटलीकरण, कृषि-खाद्य क्षेत्र को बदलने के लिए नई उभरती डिजिटल तकनीकों की अहमियत उभरकर दिखाई दे रही है।

शिव स्तुति का महान पर्व कावड़ यात्रा

भगवान शिव की स्तुति का श्रावण मास में विशेष महत्व है।हिंदू धर्म मे आस्था रखने वाले लोगो के लिए श्रावण मास बहुत ही पावन व भक्तिमय है।हर साल श्रावण मास में करोड़ो की तादाद में कांवडिये सुदूर स्थानों से हरिद्वार, ऋषिकेश, गंगोत्री आकर गंगा जल से भरी कांवड़ लेकर पदयात्रा करके अपने गांव कस्बे व शहर के शिवालयों की तरफ वापस लौटते हैं ,इस यात्राको कांवड़ यात्रा कहा जाता है। श्रावण की चतुर्दशी के दिन गंगा जल से अपने निवास के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है। कहने को तो ये धार्मिक आयोजन भर है, लेकिन इसके सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रचियता शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ साथ पेड पौधों, पशु - पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारो लाखों तरह के कीडे-मकोडों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक है। भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। गंगा के जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिवभक्त कांवड़ में में बड़ी संख्या में नजर आते है। यह कांवड़ यात्रा हरिद्वार हर की पैड़ी से शुरू होकर गंगनहर के समानांतर कांवड़ मार्ग पर चलते हुए आस्था की धारा के रूप में आगे बढ़ती है । इस यात्रा में जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत उनकी सेवा के लिए लगाए गए शिविरों में होता है।भारतीय लोगों के लिए कांवड़ शब्द बिल्कुल अनसुना नहीं है। कभी श्रवण कुमार ने अपने माता पिता को कांवड़ में बैठा कर ही तीर्थ यात्रा कराई थी।श्रावण प्रारंभ होते ही केसरी रंग के कपड़ों में कावड़िए अपने कंधे पर कांवड़ लटकाए, पहले उसमें गंगाजल भरकर लाते हैं और अपनी मन्नत के अनुसार किसी विशेष शिव मंदिर में उस गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।गंगाजल लाने और उससे शिवलिंग का अभिषेक करवाने तक का यह पूरा सफर पैदल और नंगे पांव किया जाता है। किंतु कुछ कावड़िये अपने वाहनों से भी यह यात्रा पूरी करते है।कावड़ियों के लिए निश्चित तौर पर यह काम बहुत हिम्मत का है। लेकिन शिव भक्ति के सामने कोई भी मुश्किल कहां रहती है।भले ही कावड़ियों के पैरों में छाले ही क्यो न पड़ जाए। शिव भक्त फिर भी हार नही मानते हैं। ऐसा माना जाता है शिव का जलाभिषेक करने से शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की हर मनोकामना को पूरा करते हैं।श्रावण के महीने को शिव माह भी कहा जाता है, क्योंकि ये वो महीना होता है जब सारे देवता शयन करते हैं और शिव सक्रिय और जाग्रत रहकर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

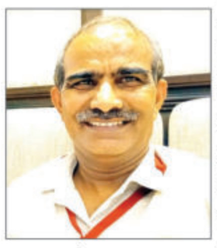

गोपाल नारसन

हालांकि कावड़ यात्रा बड़ी मुश्किल है, लेकिन इस दौरान कावड़ियों को धार्मिक मान्यताओं व सरकार द्वारा बनाए गए कुछ नियमों का पालन भी करना पड़ता है जो अत्यंत आवश्यक होता है। इन मुख्य नियमो में, कावड़ यात्रा शुरू करते ही कावड़ियों के लिए किसी भी प्रकार का नशा करना वर्जित होता है। यात्रा पूरी होने तक उस व्यक्ति को मांस, मदिरा और तामसिक भोजन से परहेज करना होता है।बिना स्नान किए कावड़ को हाथ नहीं लगा सकते,इसलिए स्नान करने के बाद ही कावड़िए अपने कावड़ को छू सकते है।

चमड़े से बनी किसी वस्तु का स्पर्श वर्जित माना गया है।पैदल कावड़िये वाहन का प्रयोग नही करते। चारपाई का उपयोग भी कांवड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों के लिए वर्जित है। इसके अलावा किसी वृक्ष या पौधे के नीचे कावड़ को रखना भी वर्जित माना गया है।कावड़ ले जाने के पूरे रास्ते भर बोल बम और जय शिव-शंकर का उच्चारण करना फलदायी होता है। कावड़ को अपने सिर के ऊपर से लेकर जाना भी वर्जित माना गया है।

इन सभी नियमों का पालन करना आवश्यक है और इसके लिए कावड़ियों की संकल्पशक्ति की मजबूती अनिवार्य है, तभी वे इस कठिन किंतु रौमांचक कांवड़ यात्रा का हिस्सा बन सकते है।

जिस कावंड में गंगाजल भरकर शिवालय में ले जाया जाता है। उस कावंड को बनाने वाले हिन्दू ही नही मुस्लमान भी है। ज्वालापुर,सराय निवासी इस्लाम, युनुस व रफीक का परिवार साल भर की रोजी रोटी इसी कावंड को तैयार कर उसे साधको को बेचकर प्राप्त करता है। इतना ही नही कई मुस्लमान हिन्दूओं के इस कावंड मेले में कावंड सहायता शिविर लगाकर धार्मिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे का सन्देश भी देते है। कावंड मेले को बदरंग करते हुए कुछ कांवडिये भांग का सेवन करते है तो चरस गांजे का अवैध व्यापार भी कावंड मेले की आड में खूब फलता फूलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शिव की भक्ति आषाड मास के बीस दिन बीतने के बाद से ही श्रावण मास पूरा होने तक 40 दिन के लिए किये जाने की परम्परा है। भगवान शिव ही एक मात्र ऐसे परमात्मा है जिनकी देवचिन्ह के रूप में शिवलिगं की स्थापना कर पूजा की जाती है। लिगं शब्द का साधारण अर्थ चिन्ह अथवा लक्षण है। चूंकि भगवान शिव ध्यानमूर्ति के रूप में विराजमान ज्यादा होते है इसलिए प्रतीक रूप में अर्थात ध्यानमूर्ति के रूप शिवलिगं की पूजा की जाती है। पुराणों में लयनाल्तिमुच्चते अर्थात लय या प्रलय से लिगं की उत्पत्ति होना बताया गया है। जिनके प्रणेता भगवान शिव है। यही कारण है कि भगवान शिव को प्राय शिवलिगं के रूप अन्य सभी देवी देवताओं को मूर्ति रूप पूजा की जाती है।

शिव स्तुति एक साधारण प्रक्रिया है। ओम नमः शिवाय का साधारण उच्चारण उसे आत्मसात कर लेने का नाम ही शिव अराधना है। श्रावण मास में शिव स्तुति मनोकामना पूर्ण करने वाली होती है। ऋग्वेद, यजुर्वेद व अर्थवेद में भगवान शिव को ईश, ईशान, रूद्र, ईश्वर, कपर्दी, नीलकण्ठ, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, भोलेशंकर नामों से जाना जाता है। गरूड पुराण में शिवलिगं निर्माण के विधान का उल्लेख किया गया है। जिसके तहत अलग अलग धातु या फिर वस्तु से निर्मित शिवलिंग की पूजा अर्चना से अलग अलग फल प्राप्ति होती है। कस्तूरी,चन्दन व कुमकुम से मिलकर बनाया गया गंधलिगं विशेष पूण्यकारी है। वही पुष्पों से पुष्पलिगं बनाकर शिव अराधना करने से पृथ्वी के अधिपत्य का सुख मिलता है।इसी प्रकार कपिल वर्ण गाय के गोबर से निर्मित गोशक्रलिगं की पूजा से एश्वर्य की प्राप्ति होना मानी जाती है। रजोमय लिंग पूजा करने से सरस्वती की कृपा साधक पर होने की मान्यता है। वही जौ, गेहूं, चावल के आटे से बने चवर्गोधूमशालिज लिंग पूजा से स्त्री, पुत्र व श्री सुख की अनुभूति का उल्लेख है। मिश्री से बने सितारखण्डमय लिंग पूजा से अरोग्यता, हरताल व त्रिकुट लवण से बनाए गए लवणज लिंग से सौभाग्य प्राप्ति, पार्थिव लिगं से कार्यसिद्धि, भस्मय लिगं से सर्वफल प्राप्ति, गडोरथ लिगं से प्रीति वृद्धि, वशांकुर लिगं से वंश विस्तार, केशास्थि लिगं से शत्रुशमन, पारद शिव लिगं से सुख समृद्धि, कास्य व पीतल से बने शिव लिगं से मोक्ष प्राप्ति होने की मान्यता है।

सुलगते फ्रांस में समानता-बंधुत्व के प्रश्न

पुष्परंजन

सवाल यह है कि, प्रधानमंत्री मोदी 14 जुलाई को बैस्टिल दिवस समारोह में पेरिस जा पाते हैं या नहीं? फ्रांस हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की चपेट में है। फ्रांस में 14 जुलाई को राष्ट्रीय समारोह होता है। मध्ययुगीन क़िला बैस्टिल कभी क्रूरता का प्रतीक रहा था, जिसे 1417 में जेल के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा था। बोरबॉन शासकों के समय राजनीतिक कैदियों को वहां रखा जाता था। बोरबॉन राजाओं का कालखंड, 1589 से 1793 और 1814 से 1830 रहा है। पेरिस के पूरब में अवस्थित प्राचीन 'बैस्टिल' का क़िला बोरबॉन के कठोर शासन का प्रतीक था, जिसे जनता ने नेस्तनाबूद कर दिया था। तो क्या आज का फ्रांस मध्ययुगीन बोरबॉन शासकों की तरह है?

14 जुलाई को 1789 वो तारीख़ी दिन है, जब फ्रांस की जनता दमनकारी सत्ता के विरुद्ध सड़कों पर उतर आई थी। हथियारों और गोला-बारूद से भरे बैस्टिल जेल पर विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया, वहां बंद सात क़ैदियों को रिहा कराया। क़िलेनुमा बैस्टिल जेल को विद्रोहियों ने बारूद से उड़ा दिया, उसकी एक-एक ईंट यादगार के रूप में पब्लिक उठा ले गई। फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत और क्रूर शासन के अंत का प्रतीक बन गया बैस्टिल क़िला। लिबर्टी, इक्वलिटी, फ्रेटरनिटी (स्वतंत्रता-समानता और बंधुत्व) फ्रांसीसी क्रांति के गर्भ से निकले शब्द थे, जिसे 1958 के संविधान में हीरे की तरह जड़ा गया था। बैस्टिल जेल वाली जगह पर स्मृति स्तंभ की स्थापना की गई, जिसके गिर्द फव्वारे बनाये गये। आप पेरिस जाएं, तो ये स्तंभ और फव्वारे माज़ी की याद दिलायेंगे।

मानकर चलिये कि बैस्टिल डे समारोह पर पानी फिर चुका है। मुख्य समारोह के केवल नौ दिन रह गये हैं। मालूम नहीं, 14 जुलाई को क्या होगा? भारतीय विदेश मंत्रालय भी इस विषय पर कुछ पूर्वानुमान लगाने से परहेज कर रहा है। लेकिन 14 जुलाई के समारोह में जो तैयारियां भारत की ओर से थीं, उसमें तीन राफेल युद्धक विमानों को वहां उड़ान भरने के वास्ते भेजा जाना है। फ्रांस से रणनीतिक साझेदारी का यह 25वां साल है। इसे और तारीख़ी बनाने के लिए, भारतीय वायुसेना के जांबाज कलाबाजियां दिखाने के लिए तैयार बैठे हैं। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी की शिरक़त के बाद के कार्यक्रमों में भारत-फ्रांस के बीच भविष्य की रणनीतिक साझेदारी तय होनी है। पेरिस स्थित भारतीय दूतावास ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, अकादमिक, सुरक्षा, उद्योग व आर्थिक सहकार सुनिश्चित किये जाएंगे।

मंगलवार 27 जून को पेरिस के उपनगर नांतेर में जो कुछ हुआ, गनीमत है कि संसद में उसकी लीपापोती नहीं हुई। फ्रांस की नेशनल असेंबली में पुलिस की गोली से मारे जाने वाले नाहेल के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक मिनट का मौन रखा गया था। पेरिस के उपनगर नांतेरे में 17 साल के किशोर नाहेल को ट्रैफिक पुलिस ने जिस बर्बरता से गोली मारी थी, उसे सही ठहराते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने जो दो बयान दिये थे, उसने जनाक्रोश की आग में घी का काम किया था। 27 जून, 2023 की इस घटना के अगले दिन राष्ट्रपति इमानुअल मैक्रों दो बातें बोल गये। पहला, 'ट्रैफिक पुलिस ने जो किया, सही किया।' दूसरा, 'कुछ लोग किशोर नाहेल की मौत को आंदोलन का अस्त्र बना रहे हैं, इसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।' नाहेल की हत्या के विरोध में 1350 गाड़ियां स्वाहा हो गईं, 240 इमारतें आग के हवाले कर दी गईं, आगजनी, लूटपाट की 2560 घटनाएं रविवार तक दर्ज़ हो चुकी थीं। तीन हज़ार से अधिक लोग उत्पात के आरोप में गिरफ्तार हैं। पेरिस, लीले, ल्यों, मर्सिले, श्ट्राशबुर्ग, ग्रीनोबेल हिंसा की चपेट में हैं।

लेकिन संसद में गृहमंत्री जेराल्ड दरमेंदा ने जो वीडियो फुटेज दिखाये, वो सबको हतप्रभ कर गया। दो ट्रैफिक पुलिस वाले 17 साल के किशोर नाहेल को यातायात उल्लंघन की वजह से निशाने पर ले चुके थे। एक पुलिस वाले ने कहा, 'मार इसको।' पिस्तौल ताने दूसरे ने कहा, 'इसकी खोपड़ी में दागता हूं गोली।' संसद में जिसने भी फुटेज देखा हतप्रभ रह गया। उससे पहले शासन में बैठे लोग यही कहानी दोहराये जा रहे थे कि पुलिस ने आत्मरक्षार्थ उस उद्दंड टीनएज नाहेल पर गोली चलाई थी। यह हैरतअंगेज है कि नाहेल को जहां गोली मारी गई, उस सड़क का नाम 'नेलसन मंडेला प्लेस' है।

जिस फ्रेंच पुलिस वाले ने उत्तर अफ्रीक़ी मूल के मुस्लिम किशोर 'नाहेल एम' को गोली मारी है, वह फिलहाल सलाखों के पीछे है। मगर, उसे निपटाने के लिए धुर दक्षिणपंथी नेता मारीन रे-पेन के पूर्व सलाहकार ज्यों मसीहा ने 'गो फंड मी' अभियान के तहत पैसे जुटाना शुरू किया। इस क्राउड फंडिंग में सोमवार शाम तक 11 लाख डॉलर आ चुके थे। इसके विरोध में सेंटरिस्ट लेफ्ट राजनीति करने वालों को तन के खड़ा होने का अवसर मिल गया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने एक ट्वीट में लिखा, 'ज्यों मसीहा दंगों का जेनरेटर है। उसके द्वारा जुटाये पैसों से अंगारों को और भड़काया जाएगा।'

इतना तो कुबूल करना होगा कि फ्रांस में ट्रैफिक पुलिस, क़ानून का दुरुपयोग करती रही है। उसका मन पहले से बढ़ा हुआ है। वर्ष 2023 की यह दूसरी घटना है, जब सड़क यातायात नियमों के उल्लंघन में गोली मारी गई। 2022 में ऐसी 138 घटनाएं दर्ज़ की गई थीं, जिसमें 13 लोग मारे गये। सवाल यह है कि क्या फ्रांस की ट्रैफिक पुलिस उस देश की अदालत से ऊपर है, जिसे मौत के घाट उतारने का अधिकार मिला हुआ है? फ्रेंच पुलिस की कार्रवाइयों पर ग़ौर करें, तो लगता है कि उसके निशाने पर उत्तर अफ्रीक़ी देशों से आये लोग अधिक हैं। उन्हें कीड़े-मकौड़े समझना क्या 'स्वतंत्रता-समानता और बंधुत्व' के संवैधानिक संकल्प का मज़ाक नहीं है।

फ्रांस में अराजकता की स्थिति दोनों तरफ से पैदा की हुई लगती है। देश में 50 लाख से अधिक मुस्लिम आबादी को लगता है कि उनके साथ न्याय नहीं हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म के तमाम पोस्ट इस आक्रोश की अभिव्यक्ति करते रहते हैं। मुद्दा बुर्के पर पाबंदी का हो, अथवा शार्ली आब्दो में मुहम्मद साहब के कार्टून छापने का, उबाल बहुत जल्द आता है, और वह बेकाबू हो जाता है। उत्पात से 2005 में आपातकाल लगा, और 13 नवंबर, 2015 को 130 लोगों की गोली मारकर हत्या के बाद भी लगाया गया था। तब आपातस्थिति पांच बार बढ़ाई गई। जुलाई, 2016 में नीस की बैस्टिले खाड़ी में 86 लोग मारे गये थे। चुनांचे, 2017 तक आपात स्थिति बनी रही, जिसे 1 नवंबर, 2017 को मैक्रों ने हटाया था। मैक्रों इस समय दुविधा की स्थिति का सामना कर रहे हैं। शायद, प्रधानमंत्री मोदी उन्हें मरहम लगायें।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेजी के चलते लहसुन 17 हजार के पार

माही की गूंज, मंदसौर।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लहसुन की मांग तेज होते ही मंदसौर में भी किसान खुश हो गए है। मंगलवार को मंदसौर मंडी में लहसुन के दाम 17 हजार रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। इसके साथ ही लहसुन की आवक भी तेज है।

किसानों का कहना है, वर्तमान में मंडी में लहसुन के लाभकारी दाम मिल रहे है। व्यापारियों का कहना है की लहसुन एक्सपोर्ट हो रही है वहां मांग अधिक हैं। वहीं इस साल लहसुन की पैदावार मप्र सहित अन्य राज्यों में भी कम हुई है। इसके चलते मांग के अनुरूप पूर्ति नहीं होने से भी दामों में उछाल आ रहा है।

मंदसौर की कृषि मंडी में लहसुन की बंपर आवक हो रही है। इसी बीच लहसुन के दामों में उछाल भी आ रहा है। 2023 में पहली बार लहसुन 17 हजार 700 रुपए प्रति क्विंटल बिका है। लहसुन का साइज बड़ा होने एवं बेहतर क्वालिट होने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग तेज होने से दामों में तेजी आ रही है।

मंडी में दो माह से लहसुन की आवक प्रतिदिन 10 हजार कट्टे से अधिक ही रही है। कुछ समय पहले लहसुन के दाम को लेकर किसानों में नाराजगी भी थी, लेकिन अब दामों में सुधार हो रहा है। 17 जून को मंडी में लहसुन 4 हजार 500 से 13 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक बिकी थी।

15 दिनों में लहसुन के दामों में चार हजार रुपए प्रति क्विंटल तक बढ़े है। इसके साथ ही लहसुन की आवक भी तेज बनी हुई है। मंडी व्यापारी संतोष गोयल ने बताया की इस साल प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी लहसुन की पैदावार भी कम रही है वहीं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग तेज है, इसके चलते दामों में तेजी आई है।

दामों में घटत-बढ़त आगे से ही होती है। मंगलवार को मंडी में लहसुन के एक ढेर को व्यापारी द्वारा 17 हजार 700 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से खरीदा। लहसुन के बेहतर दाम मिलने से किसान खुश है। इससे पहले वर्षों में भी बेस्ट क्वालिटी का लहसुन मंदसौर मंडी में 35 हजार रुपए क्विंटल तक बिक चुका है।

मंगलवार को मंडी में कुल 23 हजार 31 बोरियों की आवक हुई। इसमें सर्वाधिक 13 हजार कट्टे लहसुन के ही थे। बाकी सभी उपज मिलाकर 10 हजार बोरी की आवक रही। लहसुन के दाम किसानों को न्यूनतम 5 हजार 500 से लेकर 17 हजार रुपये प्रति क्विटंल तक मिले। इसके साथ ही सोयाबीन और गेहूं के दामों से भी किसान खुश है। मंडी में सोयाबीन के दाम 4 हजार 650 से 5 हजार 100 रुपए प्रति क्विंटल तक है। वहीं गेहूं के दाम किसानों को 2 हजार 150 से 2 हजार 700 रुपए प्रति क्विंटल तक मिल रहे हैं।

मंगलवार को उज्जैन जिले के किसान महेश बैरागी लहसुन लेकर आया था। उनकी देशी लहसुन 17 हजार 700 रुपए प्रति क्विंटल बिकी। किसान महेश बैरागी ने बताया कि, दाम बहुत अच्छे है इससे लागत भी निकल रही है और लाभ मिल रहा है। इसी तरह किसान प्रभुलाल पाटीदार ने बताया कि, उनकी लहसुन मंगलवार को मंडी में 15 हजार एक रुपया प्रति क्विंटल बिकी।

प्याज के भाव में आई तेजी, मंडी में 16 सौ ट्राली की आवक से लगा जाम

माही की गूंज, रतलाम।

ईद, शनिवार-रविवार व गुरुपूर्णिमा के चार दिन के अवकाश के बाद मंगलवार को महू रोड स्थित कृषि मंडी में प्याज की बंपर आवक हुई। इससे मंडी गेट पर जाम लग गया तथा कुछ देर के लिए मंडी परिसर में अव्यवस्था फैल गई। भावों में चार से छह रुपए किलो की तेजी आने के कारण किसानों ने स्टाक निकालना शुरू कर दिया है। इस कारण आवक बढ़ने लगी है।

व्यापारियों के अनुसार राजस्थान में प्याज की आवक कम हो गई और स्टाक बहुत कम बचा है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में मध्य प्रदेश के प्याज की मांग बढ़ गई है। ऐसे में दामों में चार से छह रुपये किलो की तेजी आई है। वर्षा का मौसम शुरू होने के कारण भी अनेक किसान प्याज रखने की व्यवस्था नहीं होने से प्याज बेच रहे हैं।

2 हजार 500 रुपए क्विंटल पहुंचा प्याज का रेट

एक सप्ताह पहले मध्यम क्वालिटी का प्याज सात सौ से आठ सौ रुपये क्विंटल व उच्च क्वालिटी का प्याज एक हजार 300 से एक हजार 600 रुपए क्विंटल बिक रहा था। वहीं 27 जून से प्याज के दाम बढ़ना शुरू हो गए तथा मध्यम क्वालिटी का प्याज एक हजार 100 से एक हजार 200 रुपए तथा उच्च क्वालिटी का प्याज एक हजार 600 से 2 हजार रुपए तक बिकने लगा। सोमवार को मध्यम क्वालिटी का प्याज एक हजार 300 से एक हजार 400 तथा उच्च क्वालिटी का प्याज 2 हजार 500 रुपए क्विंटल तक बिक गया। इस सीजन में उच्च क्वालिटी का यह सबसे ऊंचा रेट रहा।

बोवनी, भाव बढ़ने व अन्य राज्यों में मांग का असर

किसान राजेश पुरोहित ने बताया कि, प्याज की आवक बढ़ने का कारण भाव बढ़ना व करीब 90 प्रतिशत बोवनी होना है। पिछले दिनों दामों में कमी के चलते ज्यादातर किसानों ने प्याज का स्टाक कर लिया था।

व्यापारी डॉ. सैयद अनवर अली ने बताया कि, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, पंजाब राज्यों के साथ ही बांग्लादेश में भी प्याज की मांग होने से भावों में तेजी आई है। रतलाम से 80 प्रतिशत प्याज उक्त राज्यों व बांग्लादेश भेजा जा रहा है। सोमवार को तीन ट्रक प्याज बांग्लादेश के लिए भेजा है।

रिकार्ड नीलामी हुई

प्याज नीलाम प्रभारी राजेंद्र व्यास ने बताया कि, इस सीजन में सोमवार को 46 हजार कट्टों की नीलामी हुई। आम दिनों में 20 से 30 हजार कट्टों की नीलामी होती है।

मंडी सचिव एमएस मुनिया ने बताया कि, एक माह से 700 से 800 ट्राली प्याज की आवक हो रही थी लेकिन सोमवार को करीब एक हजार 600 प्याज की ट्राली की आवक होने से कुछ देर के लिए जाम लगा था। सभी ट्रालियों को व्यवस्थित कराने के साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों का प्याज नीलाम कराया गया है।

कांग्रेस के हस्तक्षेप के बाद सील किए गए निजी स्कूल का ताला खुला

माही की गूंज, मंदसौर।

ग्राम पंचायत की शिकायत पर सील किए गए जिले के मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम बरखेड़ापन्थ स्थित लार्ड कृष्णा स्कूल के ताले कांग्रेस के हस्तक्षेप के बाद मंगलवार को खोल दिए गए हैं। दरअसल, ग्राम पंचायत की शिकायत पर तहसीलदार व जनपद सीईओ ने पुलिसबल की मौजूदगी में उक्त स्कूल को सील कर दिया था। इसका ग्राम पंचायत के 14 पंचों ने विरोध कर स्कूल के पक्ष में प्रस्ताव ठहराव कर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार व जनपद सीईओ को ग्राम पंचायत के सचिव के माध्यम से भिजवा था। उसके बाद भी स्कूल के ताले नहीं खुलने से लगभग 250 बच्चो का भविष्य अंधकार में था। स्कूल नहीं खुलने की सूचना व परेशानी से ग्रामवासियों ने मंगलवार को मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा जिला कांग्रेस के महामंत्री अनिल बोराना को दी। इसके बाद दोनों नेता प्रातः 11 बजे जनपद कार्यालय पहुंचे व सीईओ रामचन्द्र हालु से चर्चा कर सील किए गए स्कूल के ताले खोलने की मांग की।

सीईओ हालु ने पीसीओ को सरपंच व सचिव के नाम लिखित आदेश देकर ताले खोलने के निर्देश दिए, लेकिन सचिव मेडिकल लेकर छुट्टी चले गए और ताले नहीं खुले। इससे कांग्रेस नेता व ग्रामवासी आक्रोशित हो गए। इस बीच जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष लियाकत मेव, जनपद सदस्य गणपत पंवार व नगर कांग्रेस अध्यक्ष नितिन विजय वर्गीय भी मौके पर आ गये और जनपद कार्यालय का चैनल गेट बंद कर गेट पर धरने पर बैठ गए व नारेबाजी करने लगे। फिर सीईओ ने अपनी उपस्थिति शाम 4 बजे पुलिसबल के साथ लार्ड कृष्णा स्कूल के ताले खुलवाए।

यह था मामला

लार्ड कृष्णा स्कूल की जमीन को ग्रामपंचायत अपनी जगह बता रही थी और आर्य समाज अपनी व्यायाम शाला की जगह बताकर स्कूल के साथ 2026 तक के अनुबंध की बात कर रहा था। कागजो में व ग्रामपंचायत के अधिकांश पंचों ने आर्यसमाज का पक्ष काफी मजबूत था अधिकारियों ने भी इस मामले को काफी गम्भीरता से लिया और बच्चों का भविष्य खराब नहीं हो, इसे देखते हुए 19 जून को लगाए गए स्कूल के ताले मंगलवार को खुलवाए।

गुरु पूर्णिमा के अवसर राज राजेश्वरी आश्रम में हजारों शिष्यों के लगा तांता

माही की गूंज शाजापुर।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय संस्कृति में गुरु का दर्जा ईश्वर के समान माना गया है। माता-पिता के बाद वो गुरु ही होते हैं, जो बिना किसी भेदभाव और निस्वार्थ भाव से हमारे जीवन को सकारात्मकता की ओर ले जाने में मदद करते हैं। इसी कड़ी में हमारे देश में आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। इस पर्व को व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन शिष्य अपने गुरुओं की पूजा करते हैं, उन्हें दान देते हैं और उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रण लेते हैं।

वहीं, राज राजेश्वरी आश्रम में परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री शेखर जी महाराज के सामूहिक गुरु पूजन और शिष्य को गुरु दीक्षा एवं गुरु भक्त को महा प्रसादी का आयोजन हुआ। राज राजेश्वरी आश्रम पर हजारों भक्त और शिष्यों गुरुदेव जी के आशीर्वाद लेने पहुंचे वही गुरुदेव ने भक्तो व शिष्यों को कहा, अपने गुरु का उनके द्वारा दिखाए गए सही मार्ग को चुनना चाहिए। वही अखंड हिन्दू सेना के सभी कार्यकर्ता द्वारा कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया और बाहर से आए सभी भक्तों के लिए आभार जताया।

महिला ने भरी भीड़ में जनपद सदस्य को जड़ दिया थप्पड़

अतिक्रमण से गुमटी हटाना को लेकर नाराज थी महिला

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के जावरा जनपद पंचायत की रोला पंचायत भवन के सामने गुमटी हटाने का मामला उस समय सुर्खियों में आ गया, जब गुमटी हटाने के दौरान गुमटीधारी की बहन तैश में आ गई और दनदनाती हुई पंचायत में पहुंची और गुमटी की शिकायत करने वाले नेता जी को चांटा जड़ दिया। अचानक हुए घटनाक्रम से वहां मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए कि क्या हुआ। बाद में महिला को पकडक़र ले जाया गया। नेता को चांटा मारने का यह वीडियो वायरल हो गया है। अब जनपद सदस्य ने एसडीएम और जनपद सीईओ से शिकायत भी दर्ज कराई है। जनपद सदस्य पाटीदार ने आरोप लगाया कि, महिला अब उसके खिलाफ बलात्कार का केस दर्ज कराने की धमकी दे रही है।

अधिकारियों के सामने मारा चांटा

घटना गत 26 जून को ग्राम पंचायत रोला में हुई। जनपद सदस्य बबलेश पाटीदार ने बताया कि, पंचायत के सामने अतिक्रमण कर रखी गुमटी को हटाने के लिए उन्होंने जनपद में आवेदन दिया था । इस पर जनपद सीईओ, तहसीलदार, पुलिस, पटवारी, सरपंच, सचिव सहित अन्य ग्राम पंचायत में मौजूद थे। गुमटी हटाने के बाद सभी पंचायत में ही थे। इसी दौरान नरेंद्र सेन की बहन दनदनाते हुए पंचायत में आई और चांटा मार दिया। महिला के भाई ने ग्राम रोला में नरेंद्र सेन ने पंचायत के सामने गुमटी रखकर अतिक्रमण कर रखा था। इसे लेकर जनपद सदस्य पाटीदार ने तहसीलदार व जनपद सीईओ को शिकायत की थी। पिछ्ले इस पर मंगलवार को प्रशासन के अफसर व पुलिस बल के साथ गुमटी हटवाने गांव में पहुंचे थे। विवाद बढ़ा और इसी बीच गुमटीधारी नरेंद्र सेन की बहन ने सभी अधिकारियों के सामने ही जनपद सदस्य पाटीदार को थप्पड़ जड़ दिया। मामले में जनपद सदस्य की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज हुआ है। जनपद सदस्य पाटीदार का कहना है की युवती के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने की भी कार्रवाई की जाए।

भीम आर्मी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, शुजालपुर।

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर पर उत्तरप्रदेश में हुए हमले का शुजालपुर में विरोध किया गया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने यहां जुलूस निकाला व उन्होंने हमला करने वालों का केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की मांग की। चंद्रशेखर को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। सिटी के न्यायालय परिसर के बाहर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति उद्यान में एकत्रित हुए भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने उप्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। संकेतिक रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां एसडीएम की अनुपस्थिति में रीडर को ज्ञापन सौंपकर मांगों से अवगत कराया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया कि, भीम आर्मी के चंद्रशेखर पर हुए हमले के आरोपियों का केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए व घटना को देखते हुए सुरक्षा प्रदान की जाए। इस दौरान अविनाश सिंह चौरडिया, योगेश मालवीय, राहुल अहिरवार, अजय कुमार, सोम तात्या, महेश दामडिया, धर्मेंद्र, धीरज मालवीय, विक्रम अंबेडकर, राजेश मालवीय सहित भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी कांसीराम के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अत्याचार, भ्रष्टाचार निवारण कमेटी के तत्वाधान में जन समस्या शिविर संपन्न

माही की गूंज, शुजालपुर।

मध्यप्रदेश में जन समस्या की आवाज को लेकर अन्याय अत्याचार भ्रष्टाचार उत्पीड़न निवारण कमेटी के तत्वाधान में ग्राम नीमखेड़ी में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा एवं ग्राम में स्वच्छता के संबंध में तथा ग्राम में कीचड़ के संबंध में आदि अन्य समस्याओं के संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत करा कर समस्याओं का जल्द निराकरण करने हेतु कहा गया। समस्या का निराकरण 3 से 4 दिन में नहीं होने पर सुजालपुर मुख्यालय पर ग्रामीणों के द्वारा धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया गया। जिसमें मुख्य रुप से राजा शब्बीर हुसैन, अविनाश सिंह चोरड़िया, सद्दाम बाबा, राजेश दांगी एवं सभी ग्रामीण उपस्थित रहे।

सावन मास के पहले दिन मंदसौर में पशुपतिनाथ के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

सावन के पहले दिन से ही भोले की भक्ति में लीन हुए भक्त जिले भर में शिवालयों में पहुंचे। अंचल की आस्था के प्रमुख केंद्र अष्टतमुखी भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में भक्ति की भीड़ रही।

दिन भर में लगभग पांच हजार श्रद्धालु मंदिर पर पहुंचे। वहीं मंदिर परिसर में मनोकामना अभिषेक भी शुरू हो गया। इसके अलावा धर्मराजेश्वुर, श्री नीलकंठेश्वकर, मारुखेड़ी महादेव सहित अन्यु प्रमुख मंदिरों में भी काफी भक्तन पहुंचे।

सावन के पहले मंगवलवार को सुबह 11:50 बजे तक दिन इंद्र योग रहा। वही त्रिपुष्कर योग 1:38 बजे से से प्रारंभ होकर 5 जुलाई को 5:48 बजे तक रहा। ज्योतिष शास्त्र में इन दोनों योग को अत्यंत शुभ माना गया है।

मान्यता है कि, इन योग में शिव की आराधना कर अपने लिए जो भी मांगा जाए वह पूर्ण होता है। अत्यंत शुभ योग होने के कारण मंगलवार सुबह से ही भूत भावन भगवान अष्टमुखी पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में दूर-दूर से आए भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिर में हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो रहा उठा।

बाबा पशुपतिनाथ के दर्शन करने पहुंचे भक्तों ने कतार बद्ध होकर दर्शन लाभ लिया। उल्लेखनीय है कि पवित्र श्रावण माह मंगलवार से शुरू हुआ है। अधिकमास होने के कारण इस बार श्रावण 59 दिनों का रहेगा और श्रावण का पहला सोमवार 10 जुलाई को आएगा। इस बार सावन में आठ सोमवार होंगे। 10 जुलाई के बाद के बाद 17, 24 और 31 जुलाई व 7, 14, 21 और 28 अगस्त को सोमवार रहेंगे।

28 अगस्त को पशुपतिनाथ महादेव की शाही सवारी निकलेगी। हिंदू धर्म में सावन के पहले दिन से अंतिम दिन तक विशेष महत्व है। शिव की विधिवत पूजा करने के साथ व्रत का भी विधान है। मान्यता है कि सावन में शिव का जलाभिषेक करने से मनोकामना पूर्ण होती है। श्रावण मास को लेकर श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में गर्भगृह से लेकर, नंदी हाल, प्रवेश द्वार, निर्गम द्वार तक विशेष सजावट की गई है। मंदिर गर्भगृह के चांदी के दरवाजे, चांदी के छत्र, त्रिशूल की सफाई भी की गई है।

मंगलवार सुबह से ही मंदिर में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरु हो गया था। जो रात तक जारी रहा। सुबह व शाम की आरती के समय भी श्रद्धालु पहुंचे। बैग स्केनर मशीन एवं मेटर डिटेक्टर मंगलवार को भी चालू नहीं हो पाए। नंदी हाल व गर्भगृह के अन्य द्वारों पर भक्तों को रुकने नहीं दिया गया। सभी को दर्शन करने के साथ ही रवाना किया गया।

बड़ा महादेव पहुंचे श्रद्धालु

माही की गूंज, भानपुरा।

नगर के उत्तर दिशा में स्थित प्रसिद्ध बड़ा महादेव एवं छोटा महादेव पर श्रावण के पहले दिन श्रद्धालुओं की अच्छी खासी तादाद रही। बारिश के चलते बड़ा महादेव स्थान का प्राकृतिक सौंदर्य निखरने लगा है एवं झरने भी गिरने लगे हैं। सावन का महीना प्रारंभ होने पर भक्ति-आराधना का दौर भी शुरू हो गया है। प्रातःकाल से ही बड़ा महादेव स्थान पर श्रद्धालु यहां पहुंच कर बड़ा महादेव स्थान पर स्थित शिवालय में श्रद्धालुओं ने भगवान भोले की पूजा-अर्चना व अभिषेक कर दर्शन लाभ लिए। शिवसेवक मंडल द्वारा भगवान भोले का श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की गई। दिनभर लोगों का बड़ा महादेव, छोटा महादेव पहुंचना जारी रहा। यहां स्थित शिवालयों में दर्शन लाभ लिए एवं बड़ा महादेव स्थान के आस-पास प्राकृतिक सोंदर्य का लुत्फ उठाया।

भाजपा आदिवासी समाज पर कर रही अत्याचार, नेता है सत्ता के नशे में चूर - भूरिया

भोपाल।

सीधी में आदिवासी युवक पर भाजपा नेता और विधायक केदारनाथ शुक्ला के प्रतिनिधि द्वारा शराब के नशे में पेशाब करने का मामला बेहद आपत्तिजनक और शर्मनाक है। सीधी में ये मामला साबित करता है कि मध्य प्रदेश में भाजपा के नेता, भाजपा के लोग सत्ता के मद में इतने चूर हैं कि इंसान को इंसान नहीं समझ रहे हैं। भाजपा के लोग आदिवासी, दलितों को किसी कचरे का ढेर समझते हैं और उनके ऊपर पेशाब करते हैं। जब मामला तूल पकड़ा तो विधायक केदारनाथ शुक्ला और भाजपा ने सरासर झूठ बोलकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की। मगर भाजपा शायद भूल गई कि कितनी भी कोशिश कर लो सच छुपाया नहीं जा सकता।

विधायक ने कहा कि ये विधायक प्रतिनिधि नही है। भाजपा ने कह दिया ये भाजपा नेता नही हैं। कुछ टाइम बाद ही सोशल मीडिया पर वो लिस्ट वायरल होने लगी जिसमे आरोपी प्रवेश शुक्ला को कुचवाई मंडल का भाजपा युवा मोर्चा का उपाध्यक्ष बनाया गया था। पोस्टर भी वायरल हो गए जिसमें साफ साफ लिखा था कि आरोपी विधायक प्रतिनिधि है। आरोपी प्रवेश शुक्ला के पिता कह रहे है कि वो विधायक प्रतिनिधि है लेकिन विधायक जी क्यों मना कर रहे हैं समझ नही आ रहा है। अब भाजपा बताए कि सच कौन बोल रहा है और झूठ कौन। भाजपा के लोगों की चालाकी देखिए पीड़ित से एक शपथ पत्र भी लिखवा लिया गया जिसमे वो कह रहा है कि मेरे साथ कोई दुर्व्यवहार नही हुआ है। ये साबित करता है कि इस घटना के बाद वो आदिवासी युवक भाजपा के कितने दवाब में हैं।

ये घटना साबित करती है कि भाजपा के लोग सत्ता के नशे में चूर हैं और हैवान बन गए है। भाजपा आदिवासी विरोधी पार्टी है। मध्य प्रदेश में भाजपा राज में आदिवासियों पर सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहा है। आदिवासी समाज अपने वर्ग के युवक से हुए दुर्व्यवहार के लिए भाजपा को कभी माफ नहीं करेगी।

आम आदमी पार्टी पूछना चाहती है कि, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री मध्य प्रदेश में बात बात पर लोगों के घरों पर बुलडोजर चलता है। आरोपी प्रवेश शुक्ला के घर पर बुलडोजर कब चलेगा। कब गिराया जाएगा उसका मकान। या फिर उस पर रहम किया जायेगा क्योंकि वो भाजपा का नेता है, विधायक प्रतिनिधि है और पीड़ित आदिवासी समाज से आता है।

दिलीप सिंह भूरिया संयुक्त सचिव लोकसभा

70 हजार की शराब जप्त कर आरोपी को किया न्यायालय में पेश

माही की गूंज, खरगोन। अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार वृत अ, ब, स, तथा भीकनगांव के संयुक्त दल ने कार्रवाई की। सहायक ज़िला आबकारी अधिकारी जयसिंह ठाकुर एवं टीआर गंधारे के नेतृत्व में खरगोन स के ग्राम ढाबला के अवायाफाल्या में दबिश देकर आरोपी सुंदरलाल डाबर पिता दौलतसिंग उम्र 33 वर्ष, जाति भीलाला, निवासी अवायाफाल्या ग्राम ढाबला, थाना बिस्टान जिला-खरगोन के रहवासी मकान से लेमाउण्टबीयर केन की 17 पेटी (204 बल्क लीटर), देशी मदिरा प्लेन पाव की पांच पेटी (45 बल्क लीटर), कुल 249 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। जप्त मदिरा का बाज़ार मूल्य लगभग 70 हजार रुपए है। वृत प्रभारी ओमप्रकाश मालवीय द्वारा आरोपी के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, 34(2) का प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी सुंदरलाल डाबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सचिन भास्करे आबकारी, मुख्य आरक्षक गणपत सागौरे, आरक्षक जगदीश पाटीदार, रणजीत वर्मा, राधेश्याम मण्डलोई, संतोष अवासे, ऋषिकेश मालवीय तथा श्रीमती संता चौहान का योगदान रहा।

भारतीय न्यायपालिका निष्पक्ष है- श्रीमती कन्नोजे

माही की गूंज, बड़वानी। भारतीय संविधान में न्यायपालिका को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाया है भारतीय नागरिक न्याय पालिका में स्वयं के ऊपर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाकर न्याय प्राप्त कर सकते हैं। न्यायपालिका के समक्ष कोई भी बड़ा नहीं है न्यायपालिका सबके लिए समान है। चाहे वह अमीर हो या गरीब भारतीय न्यायपालिका द्वारा न्याय विधान को और सहज और सरल बनाने के नागरिकों तक न्यायिक प्रणाली की जानकारी पहुंचाने व अपराध विहीन समाज के निर्माण के उद्देश्य से विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थापना की गई है। यह राष्ट्रीय, राज्य, जिला, तहसील स्तर पर क्रमशः नालसा, सालसा डालसा, टालसा के रूप में कार्य करती है। विधिक सेवा प्राधिकरण से कोई भी नागरिक चाहे वह अमीर हो या गरीब निःशुल्क विधिक सेवाएं प्राप्त कर सकता है। उक्त बातें पांच दिवसीय प्राचार्य प्रशिक्षण में उपस्थित जिले के शासकीय विद्यालय के 160 प्राचार्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व लीगल लिटरेसी क्लब द्वारा आयोजित विधिक कार्यशाला में न्यायमूर्ति मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सीता कन्नौजे द्वारा कहीं गई।

भारतीय न्याय प्रणाली पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालकर उपस्थित प्राचार्य से अपने आसपास हो रहे छात्र-छात्राओं या आम नागरिकों के ऊपर अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने व उसे न्यायिक जरूरतों के लिए आवश्यक विधिक जानकारी हेतु नियुक्त पीएलवी के बारे में बतलाया गया। साथ ही विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों के बारे में बतलाकर स्वस्थ समाज के निर्माण भूमिका निभाने हेतु आह्वान किया गया। जिला विधिक अधिकारी दिलीप सिंह मुजाल्दा ने उपस्थित प्राचार्य को पास्को एक्ट, बाल अधिकार अधिनियम, महिला सशक्तिकरण संबंधित विभिन्न कानूनों के बारे में बतला कर जानकारी दी। साथ ही वंचित वर्गों के लिए एनजीओ के माध्यम से किस प्रकार सहायता प्रदान की जा सकती है बतलाया गया। इससे पूर्व उपस्थित न्यायमूर्ति का प्राचार्य श्रीमती रचना पुरोहित, श्रीमती नलिनी सेंगर, श्रीमती हेमलता कुरील, श्रीमती संगीता राजोरिया, श्री संतोष मिश्र, श्री प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा पुष्पहार से स्वागत किया गया । इस अवसर पर संस्था प्राचार्य आरएस जाधव प्राचार्य विनोद सागर, अंतिम कुमार जैन, अभिनव शालिय, वीरेंद्र सिंह चैधरी, अमृतलाल जोशी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय से अर्जुन परमार, शिक्षक अजय यादव, अनिल मिश्र सहित शासकीय विद्यालयों के 160 प्राचार्य उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन जगदीश गुजराती, प्रभारी लीगल लिटरेसी क्लब उत्कृष्ट विद्यालय बड़वानी द्वारा किया गया। आभार प्राचार्य मनोज सेंगर द्वारा माना गया।

समान नागरिकता कानून का जिले में हो रहा विरोध

भील सेना संगठन ने तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

देश मे समान नागरिकता कानून का विरोध आदिवासी बाहुल्य जिले अलीराजपुर मे देखने को मिला जहां भील सेना संगठन ने संस्थापक शंकर बामनिया, प्रदेश अध्यक्ष रमेश बघेल, जिलाध्यक्ष चतरसिंह मंडलोई के नेतृत्व मे कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार अजय पाठक को दिया गया। साथ ही देश में समान नागरिकता कानून लागू करने का विरोध भी किया।

भील सेना संगठन संस्थापक शंकर बामनिया ने कहा कि, देश मे समान नागरिकता कानून लागू होने से आदिवासियो के जो हक अधिकार है वो खत्म हो जाएगे। जिसका हम विरोध करते है। भील सेना संगठन ने मांग करते हुए कहा कि समान नागरिकता कानून को देश मे लागू नही किया जाए। वही भील सेना संगठन ने विरोध स्वरूप पूरे प्रदेश मे एक साथ ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन किया।

ज्ञापन देते समय चतरसिंह मण्डलोई, सारिंग बामनिया, केनू भूरिया, सजय भूरिया, सूनिल मेढा, पर्वत बामनिया, दिनेश पचाया, विरेन्द्र वसूनिया, महेश बामनिया, प्रकाश मेहडा, राजेश कटारिया, सूनील मेहडा, निर्भय सिंह चौहान, दिलीप भिंडे, शूभला चोहान, राजेश भूरिया, सदिप डावर, सचिन कटारिया, रणजीत पचाया, गुमान, उपसरपच मानकर, प्रदीप मेहडा, रमेश पचाया, देवल, निकेश, सूरेश, जोखिम सिह मेहडा, अलपश मेहडा, रोनक, अजय, सुनील, विनय खराडी, देवल गणावा, मोती सिंह सिंगाड, निलेश, सरपंच हरीश बामनिया, रोहित अजनार, विकाश अजनार, अर्जुन सिगाड, सुभाष अजनार, बापू अजनार, युवराज अजनार सहित भील सेना संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बहुहित धारक सलाहकार समिति का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी। ग्लोबल ऑपर्च्युनिटी यूथ नेटवर्क बड़वानी के अंतर्गत ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन के द्वारा बड़वानी का पहला 'बहु हितधारक सलाहकार समिति' का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी संस्थाओ और सरकारी विभागों को एक प्लेटफार्म पे लेकर आना और पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण से ग्रामीण महिलाएं एवं युवाओं को रोजगार से जोड़ना। सर्वप्रथम दूसरा बैठक के कार्यबिंदु पर किये गये कार्यो को बताया गया तथा इस वित्तीय वर्ष में युवाओ को उद्यम एवं रोजगार से बड़े अस्तर पद जोड़ने का प्लान किया गया। बैठक में कौशल प्रशिक्षण, कृषि के क्षेत्र में उद्यम, सरकारी योजनाएँ के लिए हैं उससे जुडाऊ, बैंक से ऋण एवं युवाओं को उद्यमिता से जुड़ने पर चर्चा किया गया। बैठक में जिला प्रबंधक कौशल विकास (एसआरएलएम) निर्देशक आरसेटी, प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, बड़वानी, सह प्रधानाध्यापक महिला कॉलेज, बड़वानी, डीडीएम नाबार्ड, पशुपालन विभाग से डॉक्टर एसके गुप्ता, वानिकी विभाग से संतोष कुमार, जिला समन्वयक खादी ग्राम उद्योग, महात्मा गांधी नैशनल फेलो, युवा उद्यमी, संचालक सेडमेप, रिलायंस फाउण्डेशन से भारत, प्रवाह से हर्षा एव ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन से अन्नू श्री, अंकुर एवं रानू कुमार उपस्थित थे।

संविदा कर्मियों में शासन के निर्णय से खुशी की लहर

माही की गूंज, खरगोन।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रविवार को आयोजित संविदा कर्मियों के महासम्मेलन में की गई घोषणाओं से जिले में संविदा कर्मियों में खुशी की लहर है। संविदा कर्मियों के बने संघटन ने भी मप्र शासन द्वारा की गई इस पहल का स्वागत किया है। शासन द्वारा संविदा कर्मियों के हित में न सिर्फ संविदा कल्चर समाप्त करने का निर्णय लिया है। बल्कि नेशनल पेंशन स्कीम के लाभ के साथ नियमित कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ के समान संविदा कर्मचारियों को भी लाभ देने के निर्णय हुए है। मप्र शासन द्वारा लिए गए निर्णय पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रदेश अध्यक्ष विजय ठक्कर ने शासन के निर्णयों को एक उपहार माना है। ये कई तरह की मांगें जो जो पूरी की गई है। सभी स्वागत योग्य है। नेशनल स्वास्थ्य मिशन की संविदा कर्मी संघठन की जिला अध्यक्ष श्रीमती ममता हिरवे ने कहा कि प्रदेश के संविदा जगत में हर्ष व्याप्त है। संविदा कर्मियों को नियमित कर्मियों की तरह 100 प्रतिशत वेतन का लाभ तथा प्रतिवर्ष संविदा अनुबंध प्रथा को बंद करने का साहसिक निर्णय जिले के कई संविदा कर्मियों के हित में है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर 950 संविदा कर्मी है। शासन ने इसके अलावा पेंशन का लाभ, 180 दिनों मातृत्व अवकाश और रिटायरमेंट के बाद ग्रेच्युटी का लाभ और नियुक्तियों में 50 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय अत्यंत सराहनीय है। संविदा कर्मी के परिवार में इस निर्णय ने खुशियां दी है।

इनका कहना है

उपस्वास्थ्य केंद्र छोटी खरगोन में कार्यरत संविदा कर्मी ममता डावर कहती है कि, सीएम चौहान ने जो दिया है वो किसी से कम नहीं, जीवन भर ये निर्णय हमारे लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। महेश्वर तहसील के ग्राम नांद्रा उप स्वास्थ केंद्र में पदस्थ माया चौहान ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को अनुकम्पा नियुक्ति और 100 प्रतिशत वेतन देने के निर्णय से अत्यंत खुश है। महेश्वर में पदस्थ निर्मला ने संविदाकर्मियों के महासम्मेलन में दिए उपहार के लिए कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति, एनपीएस का लाभ और 100 प्रतिशत सैलरी से हमारे परिवार में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। मेरी जैसी बहनों के स्वाभिमान को बढ़ाने का कार्य किया है।

संविदा कर्मियों के हितों में मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएँ

मुख्यमंत्री चौहान ने संविदा कर्मचारियों की सेवाओं के लिए प्रतिवर्ष की जाने वाली अनुबंध प्रक्रिया को समाप्त करने की घोषणा की है। इसके अलावा समय-सीमा में नेशनल पेंशन स्कीम का लाभ देने, वेतन/मानदेय में पूर्व में निर्धारित 90 प्रतिशत के स्थान पर शत-प्रतिशत वेतन देने, स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ, आवश्यक गणना संबंधी कार्यवाही, अनुकंपा नियुक्ति का लाभ और रिटायरमेंट पर ग्रेच्युटी की भी व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। साथ ही विभागों में नियमित पदों पर भर्ती में 50 प्रतिशत पदों पर संविदा कर्मचारियों को आरक्षण देने, नियमित कर्मचारियों की तरह अवकाश के साथ मातृत्व अवकाश, आकस्मिक, अर्जित और ऐच्छिक अवकाश तथा कुछ कारणों से संविदा कर्मचारियों के काटे गए वेतन की राशि वापस करने का भी फैसला किया गया है।

सदैव सकारात्मकता आध्यात्मिक बुद्धि की मुख्य विशेषता है- प्रवीण मालवीय

माही की गूंज, बड़वानी।

विकृतियों से विमुक्त होकर शुद्ध अन्तःकरण से युक्त होकर नैतिकता हृदयंगम करके तदनुकूल व्यवहार करना ही आध्यात्मिक बुद्धि से युक्त होना है। आम व्यक्ति नकारात्मक एवं किन्हीं परिस्थितियों में ही सकारात्मक होता है, किंतु आध्यात्मिक व्यक्ति सदैव सकारात्मक होता है। आम व्यक्ति तन की खुशी, पैसा, प्रतिष्ठा पर ध्यान देता है, जबकि आध्यात्मिक व्यक्ति मन की खुशी, आनंद पर ध्यान देता है। आम व्यक्ति लोगों को खुश करने में बुराई के रास्ते पर भी जा सकता है, जबकि आध्यात्मिक व्यक्ति अच्छाई एवं सच्चाई के रास्ते पर चलकर नैतिकता एवं न्याय का अवलंबन करता है। जिससे ईश्वर प्रसन्न होते हैं। ये बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा 'आध्यात्मिक बुद्धि और व्यक्तित्व विकास' विषय पर आधारित कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय, पंधाना के व्यक्तित्व विकास के प्रशिक्षक डॉ. प्रवीण मालवीया ने कहीं।यह आयोजन प्राचार्य डॉ. दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. दिनेश वर्मा ने कहा कि, व्यक्तित्व आपके अच्छे या बुरे व्यवहार से प्रकट होता है। अगर आपका व्यवहार अच्छा है तो आपका व्यक्तित्व अच्छा होगा। व्यक्तित्व अनुभव के साथ निखरता जाता है। डॉ. वर्मा ने यह भी कहा कि, आप हर बात को गंभीरता से समझें और सीखें। सीसीई का फूल फॉर्म कन्टीन्यूस कांप्रेहेंसिव इवेल्यूएशन या सतत व्यापक मूल्यांकन होता है। आपको यह याद रखना चाहिए। इसी के अनुसार आपका सीसीई होना चाहिए। मुख्य वक्ता डॉ. मालवीया ने आध्यात्मिक बुद्धि के प्रत्येक आयाम पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि आध्यात्मिक व्यक्ति के सान्निध्य में प्रत्येक व्यक्ति प्रसन्नता की अनुभूति करता है। आध्यात्मिक व्यक्ति विनम्रता, कृतज्ञता, आत्मज्ञान, परोपकार जैसे गुणों से युक्त होकर सबको प्रेरित और प्रोत्साहित करता है तथा कष्ट झेलकर भी अच्छाई का रास्ता नहीं छोड़ता है। किसी भी परिस्थिति में दूसरों को हानि नहीं पहुंचाता है। कार्यक्रम का समन्वय प्रीति गुलवानिया और संचालन वर्षा मुजाल्दे ने किया। आभार अंशुमन धनगर ने व्यक्त किया। सहयोग अंकित काग, राहुल भंडोले, कन्हैया फूलमाली, वर्षा मालवीया, दिलीप रावत, सुनील मेहरा, रानी राठौर, हिमांशी वर्मा, स्वाति यादव, तेहरीन खान, प्रितेश बिल्लोरे एवं डॉ. मधुसूदन चैबे ने दिया।

श्री कुबेर राज गौ सेवा संगठन की प्रेरणा से हुआ गाय का उपचार

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर के गांव मुबारिकपुर में एक गाय को आवारा कुत्तों ने जख्मी कर घायल कर दिया था, जिसे कीर समाज मित्र मंडली मुबारिकपुर द्वारा सीएम पशुधन संजीवनी एंबुलेंस बुलवाकर उपचार करवाया गया। जिसमें डॉक्टर सहित अनोखीलाल सिसोदिया मध्य प्रदेश पुलिस, भरत कीर, मित्र अर्जुन कीर, लखन कीर, कान्हा कीर, मनोज पटेल, ज्ञान सिंह घासीराम, प्रभु लाल, रामप्रसाद, अमर सिंह भानेज और भी कई सामाजिक लोगों की उपस्थिति में गाय का प्राथमिक उपचार करवाया गया एवं अतिरिक्त उपचार के लिए दवाई हेतु समिति द्वारा फंड संग्रहित किया गया। वही गांव वालों ने पशु कल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए डायल 1962 पशु एंबुलेंस सेवा के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

40 लाख से बन रहा भ्रष्टाचार का तालाब

गरीब मजदूरों का हक मारकर हो रहा मशीनों से निर्माण, ग्रामीण गांव छोड़ पलायन पर मजबूर

फर्जी निर्माण कार्य का जिम्मेदार कौन...? जिला सीईओ, जनपद सीईओ, सब इंजीनियर, इंजीनियर, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक या ठेकेदार

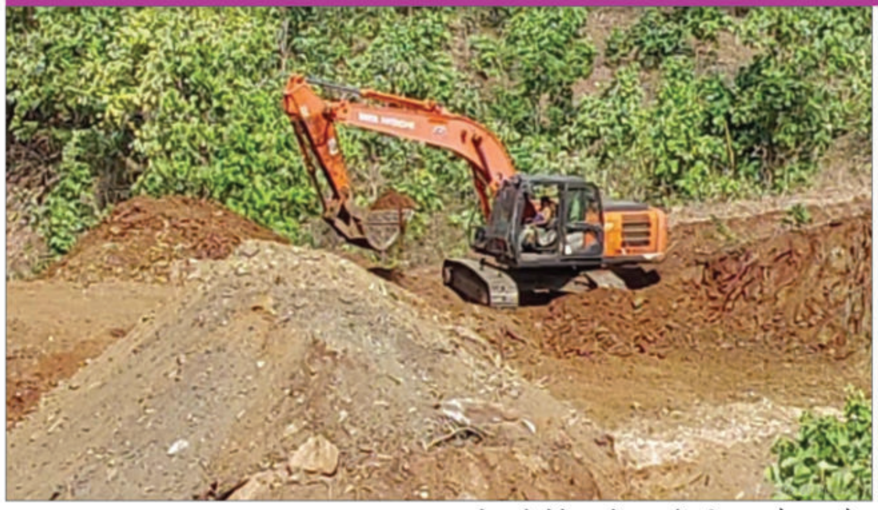

माही की गूंज, जोबट। अनिल हरवाल

जिले की जोबट जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत सेमलाया के दो ग्राम उबगारी और पनेरी मे तालाब निर्माण चल रहा है। जिसकी लागत लगभग 40 लाख रुपए है, जिसमे मशीनों से काम किया जा रहा है। सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, सब इंजीनियर, एई इंजीनियर और ठेकेदार की सांठ-गांठ से और अधिकारी व कर्मचारी मिलकर कर भारी मात्रा मे भ्रष्टाचार कर रहे है। जोबट जनपद पंचायत मे जहाँ देखो वहां मनरेगा के कार्यो को मशीन चलाकर किया जा रहा है। ग्राम उबगारी और ग्राम पनेरी में दोनों गांव मे लगभग 40 लाख रुपए के तालाब का निर्माण कार्य मनरेगा के तहत किया जा है। उसमे मजदूरों से काम करवाना होता है। लेकिन तालाब निर्माण करने वाले ठेकेदार ने मजदूरों की जगह ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन से निर्माण करवा दिया है। जबकि गांव में कई सेकडो मजदूर बेरोजगार बैठे है। जिसकी शिकायत मिलने पर माही की गूंज के संवादाता ने निरीक्षण किया व स्थानीय लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि, यहां पर एक भी मजदूर द्वारा मजदूरी नहीं की गई और पूरी तरह से मशीन से ही तालाब का निर्माण किया गया। जिसकी जानकारी जोबट जनपद सीईओ भूरसिंह चौहान को दी गई फिर भी किसी प्रकार की अब तक कार्यवाही नहीं की गई। जिसके बाद फिर से सीईओ भूरसिंह चौहान से फ़ोन पर बात की तो बताया कि, मैं सब इंजीनियर और एई इंजीनियर को पूछ कर बताता हूं, कहकर अपना पल्ला झाड़ने लगे।

वही जब सरकार गरीब मजदूरों के लिए मनरेगा जैसी योजना बनाई तो गरीबो के इस अधिकार पर डाका डालने वालो पर कार्रवाई होना चाहिए। लेकिन लगता है यहां तो ÷पूरा के पूरा बांस ही पोला है÷ जन धन योजना के तहत हर गरीब मजदूरों का खाता भी खोला गए जिसका लाभ सीधा गरीब मजदूरों को मिल सके। लेकिन ग्राम पंचायत के भ्रष्ट सरपंच-सचिन, रोजगार सहायक, सब इंजीनियर और ठेकेदारों की सांठ-गांठ से चल रहे निर्माण कार्य में मनरेगा जैसी योजनाएं धरातल पर फैल ही है। वही पर सीईओ भूरसिंह चौहान, सरपंच-सचिव, रोजगार सहायक और सब इंजीनियर को ठेकेदार के द्वारा भारी मात्रा मे कमिशन देकर पंचायत से काम छीन कर खुद करते है और पंचायतों में आम ग्रामीणों को मिलने वाले रोजगार को खत्म कर देते है। वहीं पर रोजगार सहायक द्वारा फर्जी हाजरी मास्टर निकाल कर लाखों रुपए का गमन कर लेता है, जिसकी भी जांच होनी चाहिए। जिसमे नकली मजदूरों के नाम हाजरी मस्टर में डाले जाते है और फिर राशि ट्रांसफर करवाई जाती है और फिर राशि का आहरण भी कर लेते है और उसके बाद मशीनों का भुगतान किया जाता है। जबकि मजदूरों से काम लेकर मजदूरी मजदूरों को मिलनी चाहिए। जबकि ऐसा कुछ नही होता है। जिला सीईओ विशेष कर ध्यान देकर इसकी जांच कराये...! क्योंकि इसमें मजदूरों से मजदूरी छीनी जाती है और मनरेगा तालाब निर्माण के भ्रष्टाचारी अधिकारी सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और सब इंजीनियर के साथ ठेकेदार, जेसीबी मालिक व ट्रैक्टर मालिको को पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

वर्षा की खेंच से चिंतित कृषक जो हल्की बारिश हुई थी उसी के सहारे बुवाई में जुटे

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत दिनों आऐ तूफान के कारण कई स्थानों पर जोरदार बारिश हुई। आम्बुआ क्षेत्र में भी तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई जो कि कृषि कार्य के लिए अनुपयोगी है। अभी खेतों में नमी नहीं आई है। जुताई के समय नीचे जमीन सुखी दिखाई दे रही है। कृषि विभाग ने भी कृषकों को अभी बुवाई करने से मना किया है मगर कृषक हल्की नमी में ही बीज बोने में लग रहे हैं।

वर्तमान समय बारिश का है तथा इस समय तेज बारिश हो जाया करती थी। मगर इस बार तूफान के कारण क्षेत्र में हवा के साथ रिमझिम वर्षा तो हुई मगर कृषि कार्य के लिए अपर्याप्त है। कृषि विभाग द्वारा भी किसानों को खेतों में अभी बुआई नहीं करने की सलाह दी जा रही है।

कुछ कृषकों ने बताया कि, मानसून के पिछड़ जाने से हमारा कृषि कार्य भी पिछड़ रहा है। जितनी नमी है उसी में अनाज बोया जा रहा है ताकि दो-तीन दिनों में बारिश होती है तो बीज अंकुरित हो जाएगा। यूं भी कृषि को ÷मानसून का जुआ÷ कहा जाता है। यदि मानसून गड़बड़ाया तो फसल चक्र भी बिगड़ जाता है इसी डर के कारण खेतों में कपास मक्का आदि के बीज बोने लग रहे हैं। लेकिन सोयाबीन तथा उड़द अभी नहीं बो रहे हैं यह दोनों फसलें आर्थिक मुनाफा वाली फसलें होने के कारण कृषक कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। जो बुआई कार्य कर रहे हैं वह जोखिम उठा रहे हैं यदि समय पर बारिश नहीं हुई तो दुबारा बीज की व्यवस्था कर बुआई करना पड़ सकती है।

अज्ञात वाहन ने शहरों की दूरी वाला सीमेंट पिल्लर तोड़ा

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे से बाहर जोबट तिराहे पर वर्षों पूर्व बनाया गया शहरों की आम्बुआ से दूरी का संकेत पिल्लर किसी अज्ञात वाहन ने तोड़ दिया। जिसके पुनः निर्माण की मांग नागरिक लोक निर्माण विभाग से कर रहे हैं। कौन सा शहर कितनी दूर है इसका पता वाहन चालकों एवं यात्रियों को सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड अथवा सीमेंट के पिल्लर पर लिखी दूरी को पढ़ने के बाद चलता है। यह मार्ग कहां और किस शहर तक जाएगा यह भी पता चल जाता है। आम्बुआ कस्बे से बाहर आम्बुआ-जोबट एवं आम्बुआ अलीराजपुर दाहोद मार्ग पर जाने वाले वाहनों के चालकों एवं यात्रियों को आम्बुआ-जोबट तिराहे पर सीमेंट से बने पिल्लर पर लिखी दूरी वाले पिल्लर को अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से वह आधा टूट कर बिखर गया तो शेष में बड़ी दरार आ गई जो कि कभी भी टूट सकता है। नागरिकों, यात्रियों और चालक परिचालकों ने समाचार पत्र के माध्यम से लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि, यहां पर नवीन संकेतक बनाया जाए ताकि चालक एवं यात्रियों को गंतव्य तक जाने आदि की जानकारी मिल सके।

चला बुलडोजन : मिट्टी में मिल गया पेशाबकांड के आरोपी का घर

सीधी।

प्रदेश में दलित युवक पर पेशाब करने वाले भाजपा कार्यकर्ता प्रवेश शुक्ला के खिलाफ सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा ऐक्शन लिया है। आरोपी प्रवेश शुक्ला का घर तोड़ने के लिए 'मामा' का बुलडोजर पहुंच गया है। साथ ही आरोपी प्रवेश शुक्ला पर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) भी लगा दिया गया है।

गौरतलब है कि, मध्य प्रदेश के सीधी में प्रवेश शुक्ला नाम के एक भाजपा कार्यकर्ता ने एक दलित युवक पर पेशाब कर दिया था। पेशाबकांड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सीएम शिवराज ने आरोपी प्रवेश शुक्ला के खिलाफ सख्त ऐक्शन लेने का आदेश दिया था। मंगलवार की रात प्रवेश शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया गया। अब पेशाबकांड के आरोपी के घर जिला प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर पहुंची है। भारी संख्या म पुलिसकर्मियों के मौजूदगी के बीच बुलडोजर वाला ऐक्शन हुआ।

मध्य प्रदेश में हुए पेशाबकांड के बाद तमाम विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरना शुरू कर दिया है। बुलडोजर वाले ऐक्शन की मांग भी उठने लगी थी। राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा था कि, आरोपी प्रवेश शुक्ला के अवैध निर्माण को गिराया जाएगा। बुधवार को जिला प्रशासन की टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस बल आरोपी के घर पहुंची। प्रवेश शुक्ला की मां और चाची घर से सामने बुलडोजर देख बेहोश हो गईं। वहां मौजूद पुलिस के अधिकारियों ने आरोपी की मां और चाची को समझाया। प्रवेश शुक्ला की मां ने रोते हुए कहा कि बेटे ने गलत किया है तो उसे सजा दो लेकिन मेरा घर मत गिराओ।

सीएम शिवराज ने आरोपी के खिलाफ सख्त ऐक्शन लेने की बात कही थी। साथ ही उन्होंने एनएसए लगाने को भी कहा था। आरोपी के गिरफ्तारी के ठीक अगले दिन मामा का बुलडोजर उसके घर पहुंच गया। घर के अवैध निर्माण को गिराया जा रहा है। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

खनिजों का अवैध परिवहन करते 11 वाहन जप्त

माही की गूंज, धार।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार खनि अधिकारी जेएस भिडे के नेतत्व में खनिज टीम द्वारा मुगलवार को विभिन्न ग्रामों से खनिज रेत एवं मुरम का अवैध परिवहन/ओवरलोड पर कार्रवाई करते हुए 11 वाहनों को जप्त कर पुलिस थानों की अभिरक्षा में खडे किए गए है। इनमें पुलिस थाना मनावर में 5, धामनोद में 3, धरमपुरी, गंधवानी तथा पुलिस थाना कोतवाल में 1-1 डम्पर/ट्रैक्टर ट्राली वाहन शामिल है। जिला खनि अधिकारी ने बताया कि उक्त वाहनों के विरूद्ध म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण निवारण) नियम 2022 के नियमों के तहत अर्थदण्ड की कार्रवाई की जा रही है।

स्वागत बदला संग्राम में, आखिर क्यों आपस में ही भिड़ गए कांग्रेस नेता...?

ग्वालियर।

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले ग्वालियर-चंबल अंचल में कांग्रेस की गुटबाजी सड़कों पर आ गई है। पूर्व मंत्रियों के सामने युवा नेता और उनके समर्थकों के बीच जमकर गाली-गलौज हुई। नौबत मारपीट तक जा पहुंची। कई गाड़ियों को भी तोड़ दिया गया। सूचना मिलने के बाद पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, लाखन सिंह यादव और प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह यादव मौके पर पहुंचे और किसी तरह माहौल शांत कराया। मौके पर पुलिस भी पहुंची थी और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

राधौगढ़ से कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह एक दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे। इस दौरान ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर भारी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए पहुंचे थे। स्वागत के दौरान अपना-अपना वर्चस्व दिखाने की होड़ मच गई। इस दौरान दो गुटों में विवाद हो गया और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के सामने ही रेलवे स्टेशन पर दोनों ही गुटों में धक्का-मुक्की भी हुई। यह विवाद पूर्व मंत्री लाखन सिंह के भतीजे युवा नेता संजय सिंह यादव के समर्थक और दूसरे युवा नेता माटु यादव के समर्थकों के बीच हुआ है।

दोनों गुटों के नेता अपने-अपने समर्थकों के साथ स्टेशन से चले गए। बाद में एक निजी होटल में पहुंचे जहां पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह रुके हुए थे। दोनों ही गुटों में विवाद इतना बढ़ गया कि कांग्रेस पार्षद माटु यादव के समर्थक ने होटल के बाहर गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडे और हॉकी लहराना शुरू कर दिया। होटल के बाहर खड़ी कांग्रेस नेता संजय यादव की फॉर्च्यूनर में कुछ लोगों ने तोड़फोड़ कर दी। संजय यादव पूर्व मंत्री भितरवार से कांग्रेस विधायक लाखन सिंह के भतीजे हैं और वह मुरैना जिले की जौरा विधानसभा से टिकट के लिए अपनी दावेदारी कर रहे हैं।

इस घटना की जानकारी होटल में मौजूद वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री कांग्रेस विधायक लाखन सिंह और मध्य प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अशोक सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने हंगामा कर रहे लोगों को समझाने की कोशिश की पर आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने उनकी एक नहीं सुनी। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस बल भी पहुंच गया, लेकिन अभी फिलहाल दोनों ही पक्षों की तरफ से किसी तरह की कोई शिकायत पुलिस को दर्ज नहीं कराई गई।

पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा है कि, स्वागत के दौरान धक्का-मुक्की हुई थी और उसके बाद बार-बार उन्हें समझाया गया, लेकिन सबसे अफसोस की बात यह है कि उन्हें समझाया गया लेकिन उसके बावजूद भी यह नहीं माने। ऐसा नहीं होना चाहिए था यह पूरी तरह गलत है।

बेटे को ले जा रही थी पुलिस, रोकने के लिए कार की बोनट पकड़ लटक गई महिला

नरसिंहपुर। जिले में एक महिला चलती कार की बोनट पकड़ कर लटक गई। यह महिला जिस कार की बोनट पर लटकी हुई थीं वो कार पुलिस की थी। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि महिला कार की बोनट पकड़कर उसपर लटकी हुई हैं। इसके बाद भी कार चालक गाड़ी को नहीं रोकता है और कार चलाते हुए चला जाता है। बताया जा रहा है कि, पुलिस वालों ने किसी शख्स को गिरफ्तार किया था और इसके बाद उसे कार में बैठा कर लाया जा रहा था। युवक की मां पुलिस की गिरफ्तारी का विरोध कर रही थी। पुलिस की कार को रुकवाने की कोशिश में महिला कार के बनोट पर चढ़ गई। महिला के बोनट पर चढ़ने के बाद भी कार नहीं रुकी। कार चालक कार चलाते हुए सीधे थाने में पहुंच गया। बताया जा रहा है कि इस मामले में वीडियो सामने आने के बाद सभी पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया गया है।

दरअसल, यहां पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ अभियान चला रखा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मादक पदार्थों की तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने 2 युवकों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी की मां अपने बेटे को छुड़ाने के लिए पुलिस की गाड़ी के बोनट पर लटक गई। महिला के कार के बोनट पर लटके रहने के बावजूद करीब 50 मीटर तक कार चलती रही। इसका बीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिले के एसपी ने जांच पूरी होने तक दो एसआई और एक आरक्षक को निलंबित कर दिया है।

कहा जा रहा है कि, सोमवार को गोटेगांव के नया बाजार क्षेत्र से पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़कर पुलिस टीम थाने में ले जा रही थी। इसी दौरान फव्वारा चौक पर पुलिस की कार जैसे ही धीमी हुई वैसे ही एक आऱोपी की मां कार की बोनट पर चढ़ गई। पुलिस टीम आऱोपी महिला को लेकर उसी हालत में थाने पहुंच गई। बहरहाल अब वीडियो के आधार पर पुलिसवालों पर कार्रवाई की गई है।

जिला एवं नगर माहेश्वरी समाज युवा संगठन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का हुआ गठन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

माहेश्वरी समाज की जिला एवं नगर कार्यकारिणी के बहुप्रतीक्षित चुनाव माहेश्वरी समाज भवन आलिराजपुर पर सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। भगवान श्री चारभुजानाथ के चित्र पर पूजन कर चुनाव प्रक्रिया आरंभ हुई। जिसमें प्रदेश से नियुक्त जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष थेपड़िया द्वारा सर्वमान्य प्रक्रिया के तहत बहुत सुंदर तरीके से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए उपस्थित सभी युवाओं को एकसूत्र में बांधकर जिला एवं नगर कार्यकारिणी के गठन का एसा मार्ग प्रशस्त किया कि, बहुत कठिन लगने वाला कार्य आसानी से सम्पन्न हो गया। आमंत्रित अतिथि के रूप में संतोष (मक्कू) परवाल एवं श्रीकांत बाहेती की निगरानी में चुनाव प्रक्रिया पूर्ण हुई। मंगलवार शाम 6 बजे माहेश्वरी समाज भवन में हुई चुनाव प्रक्रिया में जिलाध्यक्ष आदित्य कोठरी को सर्व सहमति से निर्वाचित किया गया। इसके अलावा संगठन में जिला सचिव दीपांशु थेपड़िया, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अक्षय सोमानी जोबट, जिला उपाध्यक्ष माधव लड्ढा खट्टाली, जिला सह सचिव हर्ष अगाल जोबट, दीप सोमानी, संगठन मंत्री अनिकेत थेपड़िया, जिला क्रीड़ा मंत्री सुमित कोठरी, जिला सांस्कृतिक मंत्री शिवम सोमानी, जिला प्रचार मंत्री सक्षम नंगवाड़िया, जिला कोषाध्यक्ष अंकित बेडिया, जिला बधाई संयोजक पिंकेश नवाल, मीडिया प्रभारी प्रशांत चौधरी, अखिल कार्यकारिणी सदस्य निर्मल सोमानी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोविंदा गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी मंडल सदस्य में जयेश मालानी खट्टाली, गोविंदा अगाल आंबुआ, अर्पित बेड़िया,अंकित परवाल एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य में उत्तम कोठरी, प्रीतेश चौधरी, गोविंदा बाहेती, प्रणव सोमानी, पार्थ मंत्री, दीपक सारड़ा, गौरव अगाल, गौरव परवाल, वैभव परवाल, योगेश थेपड़िया एवं रत्नेश थेपड़िया को बनाया गया।

नगर मंडल युवा संगठन का सर्व सहमति से हुआ गठन

नगर मंडल युवा संगठन कार्यकारिणी में सर्व सहमति से नगर अध्यक्ष जयेश सोमानी को मनोनीत किया गया। वही वरिष्ठ उपाध्यक्ष चिराग चौधरी, उपाध्यक्ष राजा बेड़िया,सचिव शुभम परवाल,सहसचिव चिराग थेपड़िया, प्रणव नंगवाडिया, संगठन मंत्री यश कोठरी, सह संगठन मंत्री लोकेश सोनी, क्रीड़ा मंत्री मधुर थेपड़िया, सांस्कृतिक मंत्री उदित भूतड़ा, प्रचार मंत्री गोपाल राठी, कोषाध्यक्ष जीतू बाहेती, मीडिया प्रभारी अंशुल गुप्ता, बधाई संयोजक राघव सोमानी को मनोनीत किया गया है। नगर कार्यसमिति में संजय मोदी, गगन थेपड़िया,गर्वित थेपड़िया,दीपक सोमानी, रितेश सोमानी, गोविंदा मेलाना, सुमित सारडा, प्रतीक कोठरी, नयन मंत्री, हर्ष कोठरी सम्मिलित हुए।

केंद्र की टीम का एमपी में भाजपा का सर्वे, अलग-अलग राज्यों से हर मंडल में पहुंचे विस्तारक

नकारात्मक रिपोर्ट, सर्वे में भाजपा की स्थिति खराब

भोजन के बाद महाराष्ट्र से आये विस्तारको का स्वागत करते सांसद डामोर।

इस तरह के गिफ्ट पैक कर सांसद की ओर से दिए गए विस्तारकों को।

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा के चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर आम जनता का मन जानने के लिए कई एजेंसियों से सर्वे रिपोर्ट बुलावा रही है। वर्तमान में कई एजेंसियों द्वारा ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में जाकर लोगो से चर्चा कर आंकड़े उपलब्ध करवा रहे है। इन टीमो में राज्य सहित केंद्र स्तर की टीम काम कर रही है जो आम जनता का मन और चुनाव लड़ने वाले चेहरे को लेकर चर्चा कर आंकड़े तैयार कर रहे है। गुजरात चुनाव में मिली बम्पर जीत के बाद कर्नाटक में जीत का फीलगुड नही चला और भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इससे सबक लेते हुए अब भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अपने स्तर पर काम रही है और अब स्थानीय स्तर पर अपनी स्थिति का पता लगाने के लिए मण्डल स्तर पर विस्तारक भेजकर कर फिटबेक ले रहे है।

सभी सीटों के मंडल स्तर पर एक हजार से ज्यादा विस्तारक पहुंचे

मध्यप्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर अलग-अलग राज्यो से जिंसमे महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यो से मण्डल स्तर पर विस्तारक भेजे गये। बताया जा रहा है केंद्र की ओर से जमीनी स्तर पर भाजपा की स्थिति भाजपा नेताओं से जानने से लिए भेजे गए है। जिले में आई विस्तारक की टीम महाराष्ट्र से आई थी जो हर मण्डल स्तर पर पहुची और सात दिनों तक सर्वे कर भाजपा की वर्तमान स्थिति के आंकड़े जमा किये।

बूथ स्तर से लेकर शक्ति केंद्र पर बैठक, नए-पुराने नेताओ से मुलाकात

बात करे पेटलावद विधानसभा की तो यहां आई विस्तारकों की टीम विधानसभा के सभी 5 मंडलों में बूथ स्तर से लेकर शक्ति केंद्र की बैठक में शामिल हुई। हर मण्डल पर अलग-अलग विस्तारक द्वारा बैठक ली गई। बैठक के अलावा मण्डल, जिले, मोर्चे के पदाधिकारियों ओर सदस्यों से अलग-अलग मुलाकात की गई, पुराने से पुराने भाजपा नेताओं और नाराज़ नेताओं से भी चर्चा कर स्थिति का जायजा लिए।

मिली जानकारी के अनुसार इन सभी विस्तारकों के सामने भाजपा की दयनीय स्थिति सामने आ गई। यहाँ भाजपा जमीनी स्तर पर भारी कमियों से जूझती दिखाई दे रही है। शहरी ओर ग्रामीण स्तर के कार्यकर्ताओं ने संगठन की कार्यप्रणाली को लेकर भारी नाराजगी व्यक्त की। इतना ही नही कार्यकर्ताओ सहित भाजपा के कई पदाधिकारीयो ने क्षेत्र के सांसद गुमानसिंह डामोर, पूर्व विधायक निर्मला भूरिया सहित मण्डल अध्यक्षों के विरुद्ध भी बोलने में नही चुके। सांसद डामोर को लेकर भाजपा नेताओं में जबरदस्त नाराजगी सामने आई ।

नए चेहरे की मांग, सांसद ने भरपाई के लिए रखा भोजन, विस्तारकों को दिए गिफ्ट

पेटलावद विधानसभा में कार्यकर्ताओं ने खुलकर नए चेहरे की मांग कर डाली। वर्तमान में प्रमुख दावेदार के रूप में निर्मला भूरिया का नाम चर्चा में, वही सांसद गुमानसिंह भी विधानसभा में उतरने के लिए पेटलावद विधानसभा को सबसे अधिक तवज्जो दे रहे है लेकिन दोनों चेहरे को सिरे से खारिज कर चुके है और नए चेहरे की मांग कर रहे है। ज्यादातर भाजपा पदाधिकारीयो ओर कार्यकर्ता का मनना है कि, नए चेहरे के माध्यम से ही कार्यकर्ताओ को एक जुट किया जा सकता है। सात दिनों के सर्वे के बाद मंगलवार को विस्तारको वापसी थी। हमारे सूत्र बताते है कि, सांसद डामोर का फीडबैक बेहत ही खराब गया, जिसकी भरपाई के लिए जिले में सभी विस्तारकों का भोजन रखा गया। बताया जा रहा पूरा आयोजन गुमानसिंह डामोर ने सेट किया जिंसमे आमंत्रित सदस्य भी जी साब, जी वाले थे। कई वरिष्ठों कार्यकर्ता और नेताओं को इस भोजन कार्यक्रम में आमंत्रित नही किया गया। जिले में आने वाले अतिथियों को अधिकांश जिले की पहचान बन चुके आदिवासी गुड़िया या फिर तीर कमान भेट किये जाते है, लेकिन यहां सांसद की ओर से सभी विस्तारकों को गिफ्ट पैक कर दिए गए जो भोजन के बाद चर्चा जा विषय रहा है।

पुरानी अव्यवस्थाओं के बीच नया शिक्षण सत्र प्रारंभा, कैसे स्कूल चले हम

माही की गूंज, खवासा।

नया शैक्षणिक सत्र 2023-24 प्रारंभ हो चुका है। सुनहरे भविष्य के सपने सजाए नैनीहालो के कदम स्कूल की ओर बढ़ गए हैं। एक तरफ सरकार का दावा है कि, सरकारी स्कूलों में बेहतर व्यवस्था के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है लेकिन पालको के रुझान से ऐसा नहीं लगता है कि, वो अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में दाखिला दिला दे। अधिकतर पालको का रुझान निजी शैक्षणिक संस्थाओं की ओर ही है जबकि सरकार का कहना है कि, सरकारी स्कूलों में निःशुल्क साइकिल, गणवेश, पाठ्यपुस्तक, मध्यान भोजन, खेल मैदान, खेल सामग्री, पुस्तकालय आदि तमाम सुविधाएं उपलब्ध है। लेकिन इसके बावजूद पालको का रुझान निजी स्कूलों मैं होना कहीं न कहीं सरकार के दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है। यही नहीं सरकार स्वयं ने शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत सीटें निजी विद्यालयों की आरक्षित कर रखी है जिसमें गरीब बच्चे निजी शिक्षण व्यवस्थाओं में अध्ययन कर सकते हैं जिसकी फीस सरकार द्वारा निजी विद्यालय को दी जाती है।

शिक्षण विहीन स्कूल

बिना शिक्षक के स्कूल की कल्पना नहीं की जा सकती है, लेकिन मध्यप्रदेश में यह संभव है यहां बिना शिक्षक के कई स्कूल और बिना डॉक्टर के कई अस्पताल चल रहे हैं। शिक्षण व्यवस्था का मुख्य आधार शिक्षक ही है और विद्यालय में यदि शिक्षक ही नहीं है तो बच्चों को पढ़एगा कौन...? कई शिक्षक केवल और केवल अतिथि शिक्षक के भरोसे ही चल रहे हैं। सरकार भले ही दावा करें कि, सरकारी सुविधाएं समय पर दी जाती है लेकिन हकीकत यह है कि, पिछले वर्ष सत्र बित जाने के बाद साइकिल वितरित की गई, जबकि गणवेश का 2 वर्षों से अता पता नहीं है।

सीएम राइज विद्यालय

सरकार ने निजी विद्यालयों की तर्ज में प्रदेश भर में चुनिंदा शासकीय विद्यालयों को सीएम राइज विद्यालय का दर्जा दिया है। हालांकि यह योजना प्रारंभिक चरण में है जिसमें सरकार का दावा है कि, सारी सुविधाएं निजी शैक्षणिक संस्थाओं की तर्ज पर मिलेगी यहां तक की 15 किलोमीटर तक बच्चों को परिवहन सुविधा भी दी जाएगी। वर्तमान में सीएम राइज विद्यालयों में भवन निर्माण का कार्य चल रहा है ऐसे में इस सत्र में तो इस सुविधा का लाभ बच्चों को नहीं मिल सकता है। अब देखना यह है कि, शासन की यह योजना कितनी कारगर साबित होती है। फिलहाल तो अधिकतर विद्यालय अतिथि के भरोसे चल रहे हैं, हाई स्कूल और हाई सेकेंडरी का इस वर्ष का परिणाम भी बहुत कम रहा, जिसका मुख्य कारण शिक्षकों की कमी ही रहां। यही नहीं शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य भी बहुत ज्यादा करवाया जाता है जिससे उनका ध्यान बच्चों पर कम और अन्य कामों की और ज्यादा रहता है ऐसे में सरकार का गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा देने का दावा खोखला ही नजर आता है।

सुबह लगा बोर्ड रात होते-होते उतारना पड़ा, नगर में सार्वजनिक स्थानों का किया जा रहा लगातार निजीकरण

मामुली खर्चा करो और सरकारी संपत्ति पर चिपका दो मन चाहा नाम

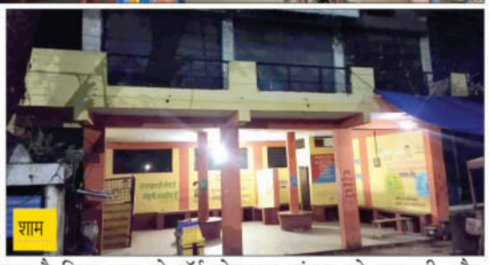

माही की गूंज, पेटलावद।

गूंज के माध्यम से पूर्व में भी खुलासा किया जा चुका है किस तरह से हॉई प्रोफाइल संस्था को सरकारी और सार्वजनिक स्थानो को उनके सुपर्द किया जा रहा है। नगर परिषद हो या राजस्व विभाग दोनों मनमाने तरीके से बिना किसी प्रशासनिक प्रक्रिया के केवल दिखावे के नाम पर ऐसे भवन और सार्वजनिक स्थान इन क्लबो के हवाले किये जा रहे है। कल एक बार फिर नगर में ऐसा ही मामला देंखने को मिला। जब नगर के श्रद्धांजलि चौक के पास स्थित सार्वजनिक यात्री प्रतीक्षालय जो कि, नगर परिषद द्वारा बनवाया गया है। कुछ दिन पूर्व इस प्रतीक्षालय का रंग रोगन ओर मरम्त की गई थी। मंगलवार को सुबह इस प्रतीक्षालय पर एक बोर्ड टांग दिया गया जिंसमे प्रतीक्षालय को निजी संस्था ने अपना बता दिया। जिस प्रकार से बोर्ड बनाया गया वो सीधे-सीधे इस सरकारी संपत्ति को किसी निजी संस्था को दिए जाने की चर्चा आम हो गई और सोशल मीडिया पर इसका विरोध शुरू हो गया। नगरवासियों ने नगर परिषद की इस पहल पर सवाल उठाते हुए निजीकरण करने के आरोप और नगर परिषद को गरीब बताते हुए मामूली कार्य के लिए राशि नही होने के कमेंट करने लगे। देखते ही देखते विरोध इतना अधिक बढ़ गया कि, स्थानीय पार्षदों और जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे, जिसके बाद रात में ही बोर्ड नगर परिषद द्वारा उतार लिया गया।

नगर में जगह-जगह चल रहा यही खेल

सेवा के नाम पर कई संगठन नगर में सक्रिय है जो उनके मूल उद्देश्य से भटक कर जेम-तेम नगर में खाली पड़े, सरकारी भवन और सार्वजनिक स्थानों को डेवलपमेंट करने और मानव सेवा के नाम पर प्रशासन को गुमराह कर सरकारी सम्पत्ति पर कब्जा करने का कार्य कर रहे है। इन संस्थाओं द्वारा मामूली ख़र्च कर आम जनता के बीच ऐसा बताया जाता है कि, उक्त सम्पत्ति, चौराहा, गार्डन अब इस संस्था के अधीन कर दिया गया है। गूंज ऐसे कई स्थानों का खुलासा कर चुका है जब पूर्व कलेक्टर रजनिसिह ने एसडीएम कार्यालय के बहार बने बगीचे को लाइंस गार्डन बताते हुए पीआरओ के पेज पर प्रेस नोट जारी कर दिया था।

आगे भी जारी रहेगी मुहिम

मनमाने ढंग से राजस्व विभाग और नगर परिषद द्वारा एक के बाद एक सरकारी संपत्ति को निजी संस्थानों को दिए जाने के विरुद्ध मुहिम जारी रहेगी। जिससे नगर की धीरे-धीरे खत्म हो रही पहचान को बचाया जा सके ।

शहर को व्यवस्थित करने यातायात अमले के एक और प्रयास को शुभाकामनाएं...!

पिछले कई प्रयास हो चुके है असफल, समय के साथ स्थिति हो जाती है ढांक के तीन पात

मुख्य मार्ग पर बैकों के सामने कुछ इस तरह से दो पहियां वाहनों का जमावड़ा रहता है जिससे यातायात बाधित होता है।

माही की गूंज, झाबुआ।

कहने को जिला मुख्यालय की यातायात व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए कई प्रयास हो चुके है, लेकिन अब तक वह स्थिति नहीं बन पाई जिससे यह कहा जा सके की शहर में यातायात और पार्किंग को लेकर अब कोई झंझट नहीं है। बदलते अधिकारियों ने जिला मुख्यालय की बिगड़ी यातायात व्यवस्था को सुधारने के कई प्रयास किये लेकिन अब तक स्थितियां ''ढांक के तीन पात'' ही नजर आई है। कारण यह है कि, किसी भी अधिकारी ने अब तक इस समस्या से पार पाने के लिए कोई ठोस कार्य योजना के साथ काम ही नहीं किया। जिला मुख्यालय पर इस समस्या को लेकर कई प्रयोग हुए लेकिन कामयाबी अब तक नहीं मिल सकी है। एक बार फिर यातायात अमले ने इसका बेड़ा उठाया है, कार्य योजना भी अच्छी है लेकिन इस योजना को जमीनी स्तर पर लाने के लिए यातायात अमले को ऐड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ेगा और लगातार इसको लेकर प्रयास करते रहना होंगे। तब ही कहीं जाकर कार्य योजना सफल हो सकेगी। फिलहाल यातायात अमले की इस पहल को माही की गूंज की शुभकामनाएं... लेकिन अधिकारियों के अगर तबादले होते है तो इसमें कितना फैर बदल होगा यह देखने योग्य होगा।

हालांकि शहर की यातायात व्यवस्था हमेशा से ही एक बड़ी समस्या और मुद्दा रही है। इसके कई बड़े कारण भी है। जिन्हे नजर अंदाज करने के चलते इसमें कभी सुधार नहीं हो पाया है। सबसे बड़ा कारण तो यह है कि, पहले के मुकाबले शहर की आबादी कई गुना बढ़ी है। इसके साथ ही दो पहियां वाहनों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। जबकि शहर के बाजार अब भी अपने पुराने ढर्रे पर ही आबाद है। सकरी गलियां और उनमें दो पहियां वाहनों का भारी दबाव समस्या की मूल जड़ है। इसके समाधान के लिए ''माही की गूंज'' पहले भी अपनी राय अखबार के माध्यम से रख चुका है। 18 मई 2023 के अपने अंक में ''अतिक्रमण को लेकर कोई ठोंस कार्य योजना की आवश्यकता'' शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर चुका है। जिसमें हमने उन सभी स्थानों का जिक्र किया है, जहां शहर के बीच वाहनों की पार्किंग की समस्या का हल हो सकता है। उन फुटपाथों का भी जिक्र किया है जो कभी आम लोगों के इस्तेमाल में आते थे और अब वे बेजा कब्जे का शिकार होकर गायब हो चुके है। हांलाकि प्रकाशित समाचार के कई बिंदूओं को यातायात अमले ने अपनी कार्य योजना में शामिल किया है।

मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम पर इसी मुद्दे को लेकर यातायात प्रभारी ने एक प्रेस कांफ्रेंस की। जिसमें उन्होने सुझाव चाहे और अपनी कार्य योजना साझा की। जिसमें प्रारंभिक योजना यह बताई कि, सभी बैंक को उनकी पार्किंग व्यवस्था करने के लिए पत्र लिखे गए है। जहां दिक्कत वहां ट्रेफिक पुलिस स्थान निर्धारित करेगी। फिर बैंक की जिम्मेदारी रहेगी कि वे एक गार्ड नियुक्त कर व्यवस्था को सुचारू बनाए रखे।

इस मामले में समस्या यह है कि, बहुत से बैंक शहर के मुख्य मार्ग पर ही है। जहां पार्किंग के लिए जगह करना नामुमकिन है। राजवाड़ा परिसर की बैंकों और मुख्य मार्ग की दो बैंकों के लिए राजवाड़ा के आसपास ऐसा कोई स्थान नहीं है जहां पार्किंग की जा सके। जबकि यातायात थाने ने ही आसपास के फुटपाथों को घेर रखा है। हां यदि यातायात अमला चाहे तो अपने थाना परिसर को पार्किंग के लिए इस्तेमान कर ले। वरना यातायात अमले की कार्ययोजना में शामिल राजवाड़ा से चारभुजानाथ मंदिर तक के हिस्से में जो फुटपाथ है वहां नालियों को ढक्कर पार्किंग व्यवस्था हो सकती है। मगर यहां भी पहली शर्त यही है कि, दुकानदारों का फुटपाथ पर किया गया अतिक्रमण हटाना जरूरी है। एक समस्या और भी यहां है कि, कई लोगों के घर व दुकान एक ही है, ऐसे में अगर किसी दुकान या मकान के सामने पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी तो फिर घरधणी या दुकानदार व उनके ग्राहकों के निकलने के रास्ते का क्या होगा...?

वैसे तो राजवाड़ा और आजाद चौक में किसी तरह की कोई परमानेंट पार्किंग नही होती मगर बावजूद इसके ऐसा है तो यह नहीं होना चाहिए। मगर बाजार में खरीदी करने आने वाले लोगों के चार पहियां वाहन के लिए भी तो व्यवस्था करनी होगी। राजवाड़ा और आजाद चौक पर जो वाहन दिन में दिखाई पड़ते है वे अस्थाई रूप से ही खड़े होते है। काम हो जाने के बाद अधिकतर वाहन यहां से हट जाते है। यहां जगह कम होने के चलते जाम की स्थिति बनती है। इसको लेकर कोई सफल कार्य योजना यातायात विभाग के पास अब तक दिखाई नहीं पड़ रही है।

मुख्य बाजार के दुकानदारों को अपने दो पहियां वाहन व्यवस्थित खड़े रखने की हिदायत तो दी ही जानी चाहिए। लेकिन इसके अलावा मुख्य बाजार में दो पहियां वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से निषेध करना बहुत ही जरूरी है। इसके लिए यातायात विभाग को चाहिए कि, मुख्यबाजार के आसपास दो पहियां पार्किंग स्थल बनाए जहां बाजार आने वालों के वाहन पार्क किए जा सके। इसके लिए सुभाष मार्ग स्थित पुराने जर्जर पड़े तहसील भवन को जमीदोज कर इस जगह का इस्तेमाल पार्किंग के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा मुख्य बाजार के समीप ही राधाकृष्ण मार्ग पर पुराने सेलटैक्स कार्यालय परिसर का इस्तेमाल भी दो पाहियां वाहन पार्किंग के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा राजवाड़ा से आने वाले दो पहियां वाहनों के लिए आजाद चौक को पार्किंग बनाया जाना चाहिए। चार पहियां वाहनों का प्रवेश शहर के मुख्य मार्गों पर पूर्ण रूप से बंद करना भी बहुत ही जरूरी है।

यातायात अमले की कार्य योजना में शामिल पुराने गैस गोडाउन परिसर में भी पार्किंग का सही विकल्प है। लेकिन सड़क पर लगने वाली सब्जी की दुकानों को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करते हुए चाचा नेहरू उद्यान जहां सब्जी मार्केट के लिए जगह है, दुकानों को लगवाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो समस्या जस की तस बनी ही रहेगी। इसके अलावा छतरी चौक से थांदला गेट तक तमाम फुटपाथों को पूर्ण रूप से खाली करवाने के साथ ही इस क्षेत्र में लगने वाले हाथठेला व्यापारियों को फुटपाथ से सटा कर दुकान लगाने के लिए सख्ती करना होगी। अगर यातायात विभाग अपनी बनाई कार्य योजना के साथ माही की गूंज के सुझावों पर काम करता है तो निश्चित तौर पर शहर की यातायात व्यवस्था को शुलभ और सुगम बनाया जा सकता है। वरना जो है सो तो है ही.... !

वही समीप ही दूसरी ओर यातायात थाने के दोनों तरफ के फुटपाथ पर खुद यातायात विभाग ने ही कब्जा कर रखा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422